राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण गुरूवार 22 जनवरी 2026 वर्ष-8, अंक-326 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ट्रम्प के प्लेन में तकनीकी खराबी, रास्ते से यूटर्न लिया

■ एक घंटे बाद दूसरे प्लेन से स्विट्जरलैंड रवाना हुए

एजेंसी
जेनेवा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के विमान में तकनीकी खराबी की वजह से उसे रास्ते में यूटर्न लेना पड़ा। व्हाइट हाउस के मुताबिक, टेकऑफ के बाद क्रू को एक मामूली इलेक्ट्रिकल खराबी का पता चला था, जिसके बाद वे वॉशिंगटन लौट आए। ट्रम्प सुबह स्विट्जरलैंड के दावोस के लिए रवाना हुए थे। वे यहां वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (हएत्रह्र) की बैठक में शामिल होंगे और अपनी ग्रीनलैंड पॉलिसी पर भाषण देंगे। फ्लाइट ट्रैकिंग डेटा के मुताबिक, विमान ने न्यूयॉर्क के लॉन्ग आइलैंड के पास अटलांटिक महासागर के ऊपर उड़ान भरने के लगभग एक घंटे बाद वापस मुड़ने का फैसला किया। इसके बाद एयर फोर्स वन सुबह करीब 9:30 बजे मैरीलैंड में सुरक्षित उतरा। विमान उतरने के लगभग एक घंटे बाद ट्रम्प दूसरे विमान से दावोस के लिए रवाना हो गए। इस दूसरे विमान को भी एयर फोर्स वन के तौर पर ही इस्तेमाल किया जाता है। ट्रम्प की आधिकारिक यात्राओं के लिए फिलहाल बोइंग 747-200इ का एयर फोर्स वन के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है। इस बेड़े में ऐसे दो विमान हैं, जो करीब चार दशक पुराने हैं। अमेरिकी विमान निमार्ता बोइंग इनके नए विकल्प तैयार कर रहा है, लेकिन इस प्रोजेक्ट में देरी हो रही है।

प्रयागराज में एयरफोर्स का प्लेन क्रैश, तालाब में गिरा

शहर के बीचों-बीच हवा में डगमगाया, 2 पायलट को बचाया, माघ मेला से 3 किमी. दूर हादसा

एजेंसी
प्रयागराज। एयरफोर्स का ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट क्रैश हो गया। एयरक्राफ्ट हवा में उड़ते-उड़ते डगमगाया और तालाब में गिर गया। 2 सीटर एयरक्राफ्ट में सवार दोनों पायलट सुरक्षित हैं। PRO डिफेंस विंग कमांडर देबार्थों धर ने बताया, 'माइक्रोलाइट एयरक्राफ्ट बमरौली एयरफोर्स स्टेशन से उड़ान भरते समय तकनीकी खराबी का शिकार हो गया।' उन्होंने बताया, 'दोनों पायलटों ने सुझबूझ दिखाते हुए एयरक्राफ्ट को सुनसान इलाके में उतारा, जिससे आम लोगों की जान-माल को नुकसान नहीं हुआ। हादसे की वजह पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी का आदेश दिया गया है।' हादसा बुधवार दोपहर 12 बजे केपी कॉलेज के पीछे हुआ। यह शहर के बीचों-बीच का इलाका है। तालाब के पास स्कूल और रिहायशी कॉलोनियां हैं। यहां से माघ मेले की दूरी 3 किमी है। हादसे के तुरंत बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया, एयरक्राफ्ट क्रैश होने से पहले दोनों पायलट पैराशूट से कूद गए और तालाब में गिरे। वहां दलदल में फंस गए थे, जिन्हें स्थानीय लोगों ने बाहर निकाला। जिस तालाब में विमान गिरा है, वहां चारों तरह जलकुंभी उगी हुई है। एयरक्राफ्ट तक कोई भी रेस्क्यू टीम अभी पहुंच नहीं पाई हैं। सेना, फायर ब्रिगेड, SDRF और NDRF मौके पर हैं। रेस्क्यू अभियान जारी है। प्रयागराज में तालाब में गिरे एयरक्राफ्ट के पायलटों को

बाहर निकालने का वीडियो सामने आया है। मौके पर भीड़ जुटी थी। लोग वंदे मातरम्, जय जवान जय किसान के नारे लगा रहे थे। PRO डिफेंस विंग कमांडर देबार्थों धर ने बताया- कअत्रह्र का माइक्रोलाइट एयरक्राफ्ट बमरौली एयरफोर्स स्टेशन से उड़ान भरते समय तकनीकी खराबी का शिकार हो गया। उसे सुरक्षित रूप से सुनसान इलाके में उतारा गया, जिससे आम लोगों की जान-माल को कोई नुकसान नहीं हुआ। विमान में सवार दोनों पायलट सुरक्षित हैं। हादसे की वजह पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी का आदेश दिया गया है। एक पायलट की तस्वीर सामने आई है। जिन लोगों ने पायलट को दलदल से बाहर निकाला, उनके साथ पायलट ने तस्वीर खिंचवाई। हादसे के तुरंत बाद का वीडियो सामने आया है। इसमें दिख रहा है कि एयरक्राफ्ट गिर चुका है और उसमें लगा पैराशूट धीरे-धीरे तालाब में गिर रहा है। हादसे की सूचना मिलते ही छात्र-छात्राओं के पेरेंट्स केपी कॉलेज पहुंच गए है। अपने-अपने बच्चों को घर ले जा रहे हैं। केपी कॉलेज की एक टीचर ने कहा-करीब 12 बजे हादसा हुआ। हम लोग और बच्चे यह सब देख रहे थे। एयरक्राफ्ट में सवार तीन लोगों को निकाला गया। इसके बाद हमने पुलिस को सूचना दी। फिलहाल प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई है।

राजस्थान: कोहरे में 4 गाड़ियां टकराई

■ उत्तराखंड में चीन बॉर्डर के पास नदियां जमीं

एजेंसी
नई दिल्ली। राजस्थान के सीकर जिले में बुधवार सुबह धुंध के कारण चार बस-ट्रक की भिड़ंत हो गई। इसके बाद और गाड़ियां बस से टकरा गईं। हादसे में 10 लोग घायल हो गए। बिहार के अररिया, पूर्णिया सहित 5 जिलों में कोहरा रहा। सुबह विजिबिलिटी कम होने से 5 ट्रेनें लेट चल रही हैं। औरंगाबाद समेत कई शहरों में सुबह से बादल छाए हुए हैं। मध्य प्रदेश में 23 और 24 जनवरी को ग्वालियर-रीवा समेत 10 जिलों में बारिश का अलर्ट है। इस दौरान कोहरा भी छाया रहेगा। उधर, यूपी सहित देश के 6 राज्यों में दो दिन बाद बारिश की संभावना है। राजस्थान में ओले भी गिर सकते हैं। उत्तरकाशी में चीन सीमा से लगी नेलांग घाटी में नदियां जम गईं। आदि कैलाश (पिथौरागढ़) और केदारनाथ धाम में तापमान -21 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। उत्तर भारत आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय हल्के से मध्यम कोहरा छाया रह सकता है। राजस्थान और आसपास के क्षेत्र में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। पश्चिमी राजस्थान में कोहरा भी छाया रह सकता है।

सुप्रीम कोर्ट बोला: अरावली में रोक के बाद भी अवैध खनन

इससे ऐसे हालात बनेंगे, जिन्हें सुधार नहीं सकेंगे, रोकने के लिए एक्सपर्ट कमेटी बनाएंगे

एजेंसी
नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को अरावली पहाड़ियों पर सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि रोक बावजूद भी अवैध खनन चल रहा है। इससे ऐसे हालात बनेंगे, जिन्हें सुधार नहीं सकेंगे। CJI सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा कि खनन रोकने के लिए विशेषज्ञों की एक एक्सपर्ट कमेटी गठित करेगा। कोर्ट ने राजस्थान सरकार से गारंटी ली कि अरावली क्षेत्र में किसी भी तरह का खनन नहीं होने दिया जाएगा। बेंच: पहले जारी अंतरिम आदेश जारी रहेगा।

CJI: कुछ तरह की अवैध गतिविधियां अब भी जारी हैं। अवैध खनन से ऐसे हालात बन सकते हैं, जिन्हें सुधारा नहीं जा सकेगा।

CJI: नई रिट याचिकाएं दाखिल न करें। हमें पता है कि ये याचिकाएं क्यों दायर की जा रही हैं।

वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल (हस्तक्षेप याचिकाकर्ता की ओर से): हम अरावली का इतिहास जानते हैं। इसकी परिभाषा के पीछे विज्ञान होना चाहिए।

CJI: हमें अलग-अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञों की जरूरत है। सभी लोग नाम सुझाएं। हम चरणबद्ध तरीके से एक्सपर्ट्स की टीम बनाएंगे।

कपिल सिब्बल: कृपया 30 मिनट की प्रारंभिक सुनवाई हो। हिमालय और अरावली जैसी पर्वतमालाओं को परिभाषित नहीं किया जा सकता। इनमें टेक्टोनिक मूवमेंट होते रहते हैं।

एक अन्य वकील: हम कोर्ट के सुओ मोटो आदेश का स्वागत करते हैं। हमने किसानों के साथ जमीनी स्तर पर काम किया है, जियो-टैगिंग भी की है।

CJI: 29 दिसंबर 2025 के आदेश के संदर्भ में, कोर्ट के सामने एक व्यापक नोट और अहम सवाल रखे जाएंगे, ताकि सही फैसला लिया जा सके।

CJI: राजस्थान सरकार की ओर से के.एम. नटराजन ने कहा है कि राज्य तुरंत सुनिश्चित करेगा कि प्रदेश में कोई अवैध खनन न हो।

CJI: कपिल सिब्बल की ओर से दायर अंतरिम आवेदन मंजूर किया जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने 20 नवंबर को जारी आदेश में 100 मीटर से छोटी पहाड़ियों पर खनन के आदेश दिए थे। जिससे पूरे देश में 100 मीटर की परिभाषा को लेकर विवाद खड़ा हो गया था। 29 नवंबर को अपने ही आदेश पर रोक लगा दी थी। मामले की जांच के लिए एक्सपर्ट कमेटी गठित करने के निर्देश देते हुए केंद्र और अरावली के चार राज्यों (राजस्थान, गुजरात, दिल्ली और हरियाणा) को भी नोटिस जारी कर इस मुद्दे पर जवाब मांगा था। सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा- यह कोई प्रतिद्वंद्वी मुकदमा नहीं है, बल्कि अरावली पर्वतमाला का संरक्षण करना उद्देश्य है। पीठ ने कहा- 29 दिसंबर 2025 के आदेश में स्वतः संज्ञान लेते हुए जिन पॉइंट को रेखांकित किया था। उन्हें देखते हुए अरावली की परिभाषा से जुड़े वैज्ञानिक, पर्यावरणीय, भूवैज्ञानिक एवं विधिक पहलुओं की पुनः समीक्षा के लिए स्वतंत्र विशेषज्ञ निकाय की आवश्यकता हो सकती है।

'आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस का रवैया अहम'

■ स्पेन के विदेश मंत्री के साथ बैठक में बोले जयशंकर

एजेंसी
नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को दिल्ली में स्पेन के विदेश मंत्री जोस मैनुअल अल्बेरेस से मुलाकात की। बातचीत के दौरान उन्होंने कहा भारत और स्पेन दोनों आतंकवाद के शिकार रहे हैं। इसलिए पूरी दुनिया को आतंकवाद के खिलाफ शून्य सहिष्णुता (जीरो टॉलरेंस) की नीति अपनानी चाहिए। उन्होंने बदलती दुनिया में साझा चुनौतियों से मिलकर लड़ने पर जोर दिया। जयशंकर ने 18 जनवरी को स्पेन के कॉर्डोबा में हुए भीषण ट्रेन हादसे पर गहरा दुख जताया। इस हादसे में 40 लोगों की जान गई थी। उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की और घायलों के जल्द ठीक होने की प्रार्थना की। यह हादसा तब हुआ था जब एक ट्रेन पटरी से उतरकर दूसरी ट्रेन से टकरा गई थी। दुर्घटना में शामिल ट्रेनों में से एक में मलागा से मैड्रिड तक लगभग 300 लोग और दूसरी में मैड्रिड से हुएल्वा तक लगभग 200 लोग सवार थे।साल 2026 भारत और स्पेन के रिश्तों के लिए

बेहद खास है। दोनों देश अपने राजनयिक संबंधों के 70 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। इस मौके पर संस्कृति, पर्यटन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का दोहरा वर्ष भी मनाया जा रहा है। जयशंकर ने इस अवसर के लिए एक खास लोगो भी लॉन्च किया, जिसे एक प्रतियोगिता के जरिए चुना गया है। रक्षा क्षेत्र में सहयोग पर बात करते हुए जयशंकर ने बताया कि 'मेड इन इंडिया' सी-295 विमान इस साल सितंबर से पहले बनकर तैयार हो जाएगा। वडोदरा में इसकी फैक्ट्री का उद्घाटन अक्टूबर 2024 में हुआ था। इसके अलावा, भारत अगले महीने एआई इम्पैक्ट समिट की मेजबानी करेगा।

भारत आना घर वापसी जैसा: सुनीता विलियम्स

● चांद पर जाना चाहती हूं, लेकिन मेरे पति मुझे इजाजत नहीं देंगे

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय मूल की अमेरिकी एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स ने मंगलवार को कहा, इस समय दुनिया में अंतरिक्ष को लेकर एक तरह की होड़ (स्पेस रेस) चल रही है। कई देश चांद और अंतरिक्ष में आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। लक्ष्य सिर्फ पहले पहुंचना नहीं है, बल्कि यह है कि इंसान सुरक्षित, टिकाऊ और लंबे समय तक रहने लायक तरीके से चांद पर जाए। सुनीता ने यह बात दिल्ली के अमेरिकन सेंटर में ह्यआंखें सितारों पर, पैर जमीं पर' सेमिनार में कहीं। उन्होंने यह भी कहा कि यह काम सबके फायदे,

सहयोग और पारदर्शिता के साथ, लोकतांत्रिक तरीके से किया जाना चाहिए, ताकि किसी एक देश का दबदबा न हो और पूरी मानवता को इसका लाभ मिले। सभी देश सहयोग के साथ आगे बढ़ें, बिल्कुल अंटार्कटिका मॉडल की तर्ज पर। विलियम्स ने कहा- भारत आना उन्हें घर वापसी जैसा विलियम्स ने कहा कि भारत आना उन्हें घर वापसी जैसा लगता है, क्योंकि उनके पिता गुजरात के मेहसाणा जिले के झूलासन गांव से थे। वहीं, चांद पर जाने के ठउळश के सवाल पर मजाकिया लहजे में कहा, 'मैं चंद्रमा पर जाना चाहती हूं, लेकिन मेरे पति मुझे इजाजत नहीं देंगे। घर वापसी और जिम्मेदारी सौंपने का समय आ गया है। अंतरिक्ष खोज में अगली पीढ़ी को अपना स्थान बनाना होगा।" 60 साल की विलियम्स हाल ही में नासा से रिटायर हुईं हैं। उन्होंने अंतरिक्ष में 608 दिन बिताए हैं। 9 स्पेस वॉक भी किए हैं। अंतरिक्ष में बिताए दिन पर: क्या स्पेस ट्रैवल ने उनकी जिंदगी के नजरिए को बदला है, तो उन्होंने कहा- हां, बिल्कुल।

राममंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष नृत्यगोपाल दास की तबीयत बिगड़ी, मेदांता रेफर

एजेंसी
अयोध्या। श्रीरामजन्मभूमि ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास की तबीयत बिगड़ गई है। 87 साल के नृत्य गोपाल दास को सोमवार रात से उल्टी-दस्त हो रहे थे। बुधवार सुबह श्रीराम अस्पताल के रिटायर्ड डॉक्टर एसके पाठक ने उनका चेकअप किया। तुरंत उन्हें लखनऊ मेदांता ले जाने को कहा। जानकारी के मुताबिक, महंत ने पिछले 36 घंटे से कुछ भी नहीं खाया है। श्रीराम हॉस्पिटल के प्रशासनिक अधिकारी वाईपी सिंह ने बताया- महंत नृत्य गोपाल दास की तबीयत खराब होने की सूचना मिली थी। डॉक्टर्स की टीम ने उनकी जांच

की। इसके बाद मेडिकल टीम और एक एम्बुलेंस के साथ उन्हें मेदांता अस्पताल रवाना कर दिया गया। उनके उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास भी उनके साथ है। अब वहां से मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद ही आगे कोई जानकारी दी जा सकती है। बता दें कि नृत्य गोपाल दास श्रीकृष्ण जन्मभूमि न्यास के भी अध्यक्ष हैं। देश-विदेश में उनके लाखों शिष्य हैं।

राहुल हरियाणा-उत्तराखंड के जिलाध्यक्षों को दे रहे ट्रेनिंग

कुरुक्षेत्र में इनके परिवारों से भी मिले, सीनियर लीडर्स को एंट्री नहीं

एजेंसी
कुरुक्षेत्र। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी आज (21 जनवरी) हरियाणा दौरे पर हैं। सुबह 10:20 बजे अंबाला एयरफोर्स स्टेशन पर उनका प्लेन लैंड हुआ, जहां कांग्रेस प्रभारी बीके हरिप्रसाद, प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह और पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने उनका स्वागत किया। इसके बाद राहुल गांधी सड़क मार्ग से कुरुक्षेत्र पहुंचे, जहां वे पंजाबी धर्मशाला में चल रहे 'संगठन सृजन अभियान' के ट्रेनिंग कैंप में हिस्सा ले रहे हैं। यहां उन्होंने सबसे पहले हरियाणा और उत्तराखंड के कांग्रेस जिला अध्यक्षों के परिवारों से मुलाकात की। अब राहुल जिला अध्यक्षों को बंद हॉल में ट्रेनिंग दे रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, ट्रेनिंग में जिला अध्यक्षों के अलावा किसी नेता को नहीं जाने दिया गया। नेता अलग कमरे में बैठे हैं। धर्मशाला में राव नरेंद्र सिंह, भूपेंद्र सिंह हुड्डा के अलावा, सिरसा से सांसद कुमारी सैलजा, राज्यसभा सांसद रणदीप सुरजेवाला समेत विधायक और सांसद भी मौजूद हैं। ट्रेनिंग कैंप के बाद राहुल गांधी शाम को कुरुक्षेत्र में ही ब्रह्मसरोवर पर आयोजित आरती में भी शामिल हो सकते हैं। इसके बाद वे दिल्ली के लिए रवाना होंगे। राहुल गांधी से मुलाकात के बाद चरखी दादरी से

कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सुशील धानक की बेटी जसबीर बॉक्सर ने कहा- मैंने राहुल गांधी से मुलाकात की। उनसे कहा कि हरियाणा के पंचकूला में छात्र बैठे हुए हैं। उन छात्रों पर 35 प्रतिशत का क्राइटेरिया थोपा जा रहा है, इस पर विचार किया जाए। ट्रेनिंग कैंप में केवल प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं, जिला अध्यक्षों और कार्यकारिणी सदस्यों को ही प्रवेश की अनुमति दी गई है। मीडिया को इस कार्यक्रम से दूर रखा गया है। राहुल गांधी के काफिले में शामिल केवल तीन गाड़ियां ही धर्मशाला के अंदर जा सकीं, बाकी वाहनों को धर्मशाला के प्रवेश द्वार पर ही रोक दिया गया। राहुल गांधी की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने भी कड़े इंतजाम किए हैं। पंजाबी धर्मशाला की ओर जाने वाली सड़क पर तीन स्थानों पर बैरिकेड लगाए गए हैं। ASP प्रतीक गहलोत के नेतृत्व में पुलिस बल तैनात है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने बताया कि हरियाणा और उत्तराखंड के जिला अध्यक्षों के लिए कुरुक्षेत्र एक केंद्रीय स्थान है, इसलिए हमने ट्रेनिंग के लिए इसे चुना। 13 जनवरी को शुरू हुआ यह कैंप 22 जनवरी तक चलेगा, जिसमें पार्टी के वरिष्ठ नेता नवनियुक्त जिला अध्यक्षों को ट्रेनिंग दे रहे हैं। कैंप का मुख्य उद्देश्य संगठन को मजबूत करना और चुनाव लड़ने की राजनीति सिखाना है। इसमें हरियाणा के 32 और उत्तराखंड के 27 कांग्रेस जिला अध्यक्ष, उनके साथ-साथ राज्यों के प्रभारी, सह प्रभारी, प्रदेश अध्यक्ष और कांग्रेस विधायक दल के नेता भी शामिल हो रहे हैं। राहुल गांधी ने पिछले साल 4 जून को चंडीगढ़ में पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में 'संगठन सृजन कार्यक्रम' के तहत राज्य के नेताओं और ऑब्जर्वरों की मीटिंग ली थी। उस समय तक हरियाणा में जिला अध्यक्षों की नियुक्ति नहीं हुई थी। राहुल गांधी ने मीटिंग में कहा था कि संगठन बनाते समय किसी नेता की सिफारिश नहीं चलेगी।

महाराष्ट्र: कल्याण-डोंबिवली में सियासी उलटफेर

शिंदे की शिवसेना को मिला मनसे का समर्थन, बिना बीजेपी कैसे बनाएंगे अपना मेयर?

एजेंसी
मुम्बई। महाराष्ट्र के कल्याण-डोंबिवली नगर निगम पर हुए (केडीएमसी) चुनाव के बाद राजनीति में बड़ा मोड़ देखने को मिला है। आमतौर पर एक-दूसरे की विरोधी मानी जाने वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) ने अब शिंदे गुट की शिवसेना को समर्थन देने का एलान किया है। यह घोषणा एमएनएस के पूर्व विधायक प्रमोद (राजू) पाटिल ने पार्टी के पांच पार्षदों की ओर से की। इससे पहले शिवसेना के सभी 53 पार्षद नवी मुंबई स्थित कोंकण संभागीय आयुक्त कार्यालय पहुंचे और अपने गुट का औपचारिक पंजीकरण कराया।उसी स्थान पर एमएनएस के पांचों पार्षदों ने भी अपनी प्रक्रिया पूरी की और शिवसेना को समर्थन देने की घोषणा कर दी। इसे नगर निगम की सत्ता संरचना के लिहाज से अहम घटनाक्रम माना जा रहा है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि शिवसेना या तो अपने दम पर नगर निगम में सरकार बनाने की कोशिश कर रही है या फिर गठबंधन में अपनी मोलभाव की स्थिति मजबूत कर रही है। बात अगर 122 सदस्यीय कल्याण-डोंबिवली नगर निगम में हुए चुनाव की करें तो, 16 जनवरी को आए

नतीजों में शिंदे गुट की शिवसेना को 53, भाजपा को 50, शिवसेना (यूबीटी) को 11 मनसे पांच, कांग्रेस दो और एनसीपी (एसपी) को एक सीटें मिली। बता दें कि इस नगर निगम में सत्ता बनाने के लिए 62 सीटों की जरूरत होती है। फिलहाल शिवसेना के 53 पार्षदों के साथ एमएनएस के 5 पार्षदों का समर्थन मिलने से संख्या 58 हो गई है। सूत्रों के अनुसार, शिवसेना (शिंदे गुट) के संपर्क में यूबीटी गुट के कुछ पार्षद भी बताए जा रहे हैं। अगर इनमें से कुछ का समर्थन मिलता है तो शिवसेना बहुमत के आंकड़े के और करीब पहुंच सकती है। वहीं इस मामले में कल्याण लोकसभा सांसद श्रीकांत शिंदे ने इस घटनाक्रम की पुष्टि करते हुए कहा कि मनसे ने शहर के विकास को ध्यान में रखते हुए शिवसेना को समर्थन दिया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि शिवसेना और भाजपा ने नगर निगम चुनाव महा-युति गठबंधन के तहत मिलकर लड़ा था। गौरतलब है कि कल्याण-डोंबिवली नगर निगम पर हुए चुनाव के बाद मेयर पद को लेकर अटकलें तेज हो गई है। कारण है कि अभी भी मेयर कौन होगा? किसका होगा? ये तस्वीर अभी भी धुंधली है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आयुर्वेदः प्राचीन चिकित्सा पद्धति का वैश्विक उत्थान

(लेखिका - डॉ नीलम महेंद्र)

एलोपैथिक दवाओं के साइड इफेक्ट इतने पर ही सीमित नहीं हैं। अब धीरे धीरे यह बात सामने आने लगी है कि लगभग हर अंग्रेजी दवा का कोई न कोई साइड इफेक्ट होता ही है। हालांकि हर दवा कंपनी दवा की पैकिंग के समय उसके उपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में एक पर्ची में सारी जानकारी देती है लेकिन फिर भी जब से एलोपैथी अस्तित्व में आई,उसकी दवा से मिलने वाले तात्कालिक राहत को देखते हुए अधिकांश लोगों का झुकाव उसकी ओर होता चला गया। लेकिन पिछले कुछ समय से इस प्रकार की रिसर्च और रिपोर्टें लोगों को सोचने के लिए विवश कर रही है। खास तौर पर सोशल मीडिया के इस डिजिटल दौर में जब कोई भी सूचना क्षण भर में आम हो जाती है, तो आम आदमी भी खास जानकारी से युक्त हो के जागरूक हो जाता है।

हाल ही में जयपुर के एसएमएस और उसके संबद्ध अस्पतालों में की गई रिसर्च में यह बात सामने आई है कि मनुष्यों में एंटीबायोटिक दवाओं का असर 57ल से 90ल तक कम हो गया है। कुल 9776 मरीजों पर की गई रिसर्च में पता चला कि इनमें से एक भी मरीज ऐसा नहीं था जिसे एंटीबायोटिक का 60ल भी असर हुआ हो। इन सभी के शरीर में एंटीबायोटिक्स के प्रति 60ल से 98ल तक रेजिस्टेंस आ गया है। जिन एंटीबायोटिक्स का असर बिल्कुल खत्म हो गया है उनमें सिप्रोफ्लाक्सासिन, एरोथ्रोमाइसिन, डॉक्सिसाइकिलिन, एमपीसीलिन जैसे ब्रॉड स्पेक्ट्रम एंटीबायोटिक (एक ऐसा एंटीबायोटिक जो कई तरह के बैक्टीरिया खासकर ग्राम पॉजिटिव और ग्राम नेगेटिव दोनों प्रकार के जीवाणुओं पर असर करता है) शामिल हैं जो अपने आप में अत्यंत चिंताजनक है। दरअसल यह इन एंटीबायोटिक के अत्यधिक प्रयोग का साइड इफेक्ट है।

एलोपैथिक दवाओं के साइड इफेक्ट इतने पर ही सीमित नहीं हैं। अब धीरे धीरे यह बात सामने आने लगी है कि लगभग हर अंग्रेजी दवा का कोई न कोई साइड इफेक्ट होता ही है। हालांकि हर दवा कंपनी दवा की पैकिंग के समय उसके उपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में एक पर्ची में सारी जानकारी देती है लेकिन फिर भी जब से एलोपैथी अस्तित्व में आई,उसकी दवा से मिलने वाले तात्कालिक राहत को देखते हुए अधिकांश लोगों का झुकाव उसकी ओर होता चला गया। लेकिन पिछले कुछ समय से इस प्रकार की रिसर्च और रिपोर्टें लोगों को सोचने के लिए विवश कर रही है। खास तौर पर सोशल मीडिया के इस डिजिटल दौर में जब कोई भी सूचना क्षण भर में आम हो जाती है, तो आम आदमी भी खास जानकारी से युक्त हो के जागरूक हो जाता है।

नतीजन आज विश्व भर में लोग स्वस्थ्य रहने के लिए प्रकृति, आयुर्वेद, प्राणायाम और योग की ओर लौट रहे हैं।

यही कारण है कि आयुर्वेद, जो कि एक प्राचीन भारतीय चिकित्सा विज्ञान है,वर्तमान में सम्पूर्ण विश्व को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। आज यह न केवल भारत बल्कि दुनिया भर के लोगों को स्वस्थ जीवन जीने के साथ साथ कई जानलेवा बीमारियों से लड़कर पुनः स्वस्थ होने की राह दिखा रहा है।

दअरसल आधुनिक जीवन शैली के परिणाम स्वरूप आजकल लोगों को कम उम्र में ही मधुमेह, उच्च रक्तचाप और मोटापा जैसे रोग हो रहे हैं। लेकिन इन परिस्थितियों में जब अंग्रेजी दवाइयों के दुष्प्रभाव सामने आने लगे हैं, तब जनमानस में एक सुखद बदलाव यह देखने को मिल रहा है कि अब वे अंग्रेजी दवाइयों का सहारा लेने के बजाए अपनी दिनचर्या में बदलाव लाकर इन बीमारियों से बचने के लिए प्राकृतिक आहार विहार को अपनाकर स्वस्थ होने पर बल दे रहे हैं। खास तौर पर कोरोना महामारी के दौरान जिस प्रकार लोग आयुर्वेद के साधारण घरेलू नुस्खों से अपनी इम्युनिटी बढ़ाकर इस जानलेवा बीमारी से लड़कर खुद को बचाए रखने में कामयाब रहे उसने विश्व भर में आयुर्वेद की लोकप्रियता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का काम किया।

परिणाम स्वरूप 2023 तक वैश्विक आयुर्वेद बाजार का आकार लगभग12.9 बिलियन डॉलर आ गया था और यह 2030 तक 76.91 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, जो 27.2ल की वार्षिक वृद्धि दर को दर्शाता है।

आयुर्वेद के बढ़ते प्रभाव का एक प्रमाण यह भी है कि भारत के आयुष मंत्रालय और विश्व स्वास्थ्य संगठन के बीच पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों को प्रोत्साहित करने और उनके वैज्ञानिक आधार को मजबूत करने के लिए 2023 में एक समझौता किया गया। इसका उद्देश्य सम्पूर्ण विश्व में आयुर्वेद की स्वीकार्यता और विभिन्न रोगों के उपचार में आयुर्वेद की प्रभावशीलता को देखते हुए तकनीकी प्रमाण आधारित आयुर्वेदिक उत्पादों का विकास करना है।

दरअसल आज भारत ही नहीं विश्व के विभिन्न शोध संस्थान आयुर्वेद के चिकित्सीय लाभों और इसके औषधीय उपयोगों पर व्यापक अनुसंधान कर रहे हैं।

तुलसी, सर्पगन्धा,अश्वगंधा, गिलोय, नीम, आँवला, हल्दी जैसे पौधों पर किए गए वैज्ञानिक अनुसंधानों के परिणामों ने विश्व भर के वैज्ञानिकों को अचंभित किया है। इन आयुर्वेदिक औषधियों पर रिसर्च करने पर यह बात सामने आई कि ये साधारण पौधे या वनस्पतियाँ नहीं हैं बल्कि औषधीय गुणों की खान हैं। ये सिर्फ मानव शरीर ही नहीं मन पर भी अपना औषधीय प्रभाव डालती हैं।

यही कारण है कि शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने की बात हो या मानसिक तनाव कम करने की बात हो, शरीर को स्वस्थ रखना हो या फिर युवा रखना हो, आज लोग इन बातों के लिए आयुर्वेद का सहारा ले रहे हैं।

गौरतलब है कि वर्तमान दौर में आयुर्वेद केवल चिकित्सा के क्षेत्र में ही नहीं बल्कि सौंदर्य और पोषण उत्पादों के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण एवं अग्रणी भूमिका में आ चुका है। असल में आज दुनिया भर के लोग एलोपैथिक दवाइयों के साइड इफेक्ट और और विभिन्न हानिकारक केमिकल से युक्त सौंदर्य प्रसादनों के दुष्प्रभावों से त्रस्त हो चुके हैं। शायद इसलिए जिन्हें लोग पहले जड़ी बूटी कहकर नकार देते थे आज वे हर्बल और नेचुरल या फिर प्राकृतिक उत्पादों के रूप में लोगों की पहली पसन्द बन चुके हैं। नतीजन इन हर्बल उत्पादों की मांग घरेलू के साथ साथ वैश्विक उपभोक्ताओं के बीच भी तेजी से बढ़ रही है। आज वैश्विक स्तर पर भारत ही नहीं बल्कि चीन, जापान और यूरोपीय देशों में भी आयुर्वेदिक उत्पादों और सेवाओं की बढ़ती मांग, आयुर्वेद की वैश्विक स्वीकार्यता का प्रमाण है।

दरअसल विभिन्न वैज्ञानिक अनुसंधानों ने आयुर्वेद को विज्ञान की कसौटी पर मानव स्वास्थ्य के लिए खरा साबित किया है। क्योंकि कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी में जब आधुनिक चिकित्सा पद्धति में खतरनाक रेडिएशन और कैमोथेरेपी का सहारा लिया जाता है तो मरीज के शरीर की कैंसर कोशिकाओं को नुकसान पहुँचने के साथ साथ शरीर की स्वस्थ कोशिकाएँ भी नष्ट हो जाती हैं। इससे मरीज को बेहद शारिरिक पीड़ा एवं वेदना से गुजरना पड़ता है। इतना ही नहीं बल्कि स्वस्थ होने के बाद भी दीर्घ काल तक रेडिएशन और केमोथेरेपी के साइड इफेक्ट का सन्ताप भी झेलना पड़ता है। वहीं रिसर्च में हल्दी और गिलोय जैसी आयुर्वेदिक औषधियों में कैंसर-रोधी गुण पाए गए हैं।

खास बात यह है कि आयुर्वेद पर किए गए प्रयोगों के इस प्रकार के नतीजों से उत्साहित वैज्ञानिक अब आयुर्वेदिक औषधियों को आधुनिक तकनीकों, जैसे नैनो टेक्नोलॉजी और बायोटेक्नोलॉजी, के साथ जोड़ रहे हैं।

आज जब पर्यावरण और स्वास्थ्य दोनों गंभीर संकट के दौर से गुजर रहे हैं, आयुर्वेद एक प्रभावी समाधान के रूप में उभर कर आया है। क्योंकि यह न केवल गम्भीर से गम्भीर बीमारियों का उपचार प्रदान कर रहा है, बल्कि मानव को प्रकृति के साथ जोड़ रहा है, उसे प्रकृति के करीब ला रहा है।

यहाँ यह समझना आवश्यक है कि आयुर्वेद केवल चिकित्सा पद्धति नहीं है, बल्कि यह जीवन जीने का विज्ञान है। दिन ,रात सर्दी, गर्मी, बरसात, समय के इस बदलते चक्र के साथ, प्रकृति के बदलते रंग के साथ, अपनी दिन चर्या, आहार विहार, खान पान में बदलाव लाकर, प्रकृति के साथ मानव शरीर का सामंजस्य बनाने का विज्ञान।

आज जब विश्व आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों के दुष्प्रभावों और सीमाओं का सामना कर रही है, भारत का हज़ारों साल पुराना चिकित्सा विज्ञान आयुर्वेद एक नई उम्मीद के रूप में उभर रहा है। भारतीय योग परम्परा के बाद आयुर्वेद की यह वैश्विक स्वीकार्यता भारत के गौरवशाली और समृद्ध अतीत का प्रमाण है।

(लेखिका पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय में हिंदी सलाहकार समिति की सदस्य हैं।)

संपादकीय

मददवीर अग्निवीर

सेना में अग्निवीर योजना के क्रियान्वयन के वक्त इनकी अल्पकालिक सेवा और सेवानिवृत्ति के बाद उनके भविष्य को लेकर तमाम तरह की आशंकाएं व्यक्त की जा रही थीं। लेकिन अब धीरे-धीरे कई आशंकाएं निर्मूल साबित हो रही हैं। प्रशिक्षित अग्निवीरों के लिये नये-नये अवसर बन रहे हैं। हाल ही में हरियाणा सरकार ने राज्य में गठित होने जा रही डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स में अग्निवीरों को प्राथमिकता देने की घोषणा की है। यह सुखद ही है कि अग्निपथ योजना के पहले बैच के सेवा काल की समाप्ति से पहले हरियाणा सरकार ने उनके समायोजन की पहल की है, जिसका अनुकरण देश के अन्य राज्यों को भी करना चाहिए। जिससे इस कुशल-प्रशिक्षित युवा शक्ति की ऊर्जा के बेहतर इस्तेमाल की पहल हो सके। दरअसल, हरियाणा में स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स में अग्निवीरों को वरीयता देने की बात कही गई है। निश्चय ही इस कदम से जहां अग्निवीरों की नई पीढ़ी सामने आएगी, वहीं राज्य को इनके कुशल प्रशिक्षण का लाभ मिल सकेगा। यह भी हकीकत है कि बदलते वक्त के साथ आपदाओं की पुनरावृत्ति व घातकता बढ़ रही है, उससे जूझने के लिये भी अनुभवी व प्रशिक्षित बल की सख्त जरूरत महसूस की जा रही है। जो एक स्थायी, पेशेवर और पूर्णकालिक बल के जरिये ही संभव हो सकता है। दरअसल, हरियाणा में सरकार ने भरोसा दिलाया है कि राज्य में गठित होने वाली एसडीआरएफ बटालियन में अधिकतम संख्या अग्निवीरों की ही होगी। विश्वास किया जा रहा है कि अग्निवीरों वाली एसडीआरएफ प्राकृतिक आपदाओं मसलन बाढ़,भूकंप, औद्योगिक दुर्घटनाओं, अग्निकांडों व रासायनिक आपदाओं की चुनौती का सफलता से मुकाबला कर सकेगी। माना जा रहा है कि अग्निवीरों को मिला कठोर प्रशिक्षण आपातकालीन स्थितियों से मुकाबले में मददगार साबित होगा। दरअसल, ऐसी चुनौतीपूर्ण स्थितियों में तीव्र गति से कार्रवाई करते नागरिकों के जीवन की रक्षा करने की प्राथमिकता होती है। जो प्रशिक्षित और अनुभवी टीम के द्वारा ही संभव हो सकता है। कहा जा रहा है कि राज्य की सभी डिविजनों में क्विक रिस्पॉन्स टीम तैनात की जाएंगी। उल्लेखनीय है कि हाल ही में उत्तर प्रदेश में नोएडा में धुंध के चलते हुई एक सड़क दुर्घटना में एक युवा इंजीनियर की मौत हुई। बेटे को मौत के मुंह में समाते देख असहाय पिता ने पुलिस से मदद मांगी। लेकिन मदद के लिये पहुंची टीम के पास इस चुनौती का मुकाबला करने के लिये जरूरी उपकरण व अनुभव नहीं था। ऐसे में युवा इंजीनियर ने पिता के सामने ही डूबकर दम तोड़ दिया। दुर्घटना के बाद तमाम लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। घटना के बाद आपदा राहत बल को प्रशिक्षित करने और जीवन रक्षा के तमाम उपकरण उपलब्ध कराने की जरूरत महसूस की जा रही है। ऐसे में हरियाणा में एसडीआरएफ बटालियन के गठन और उसमें प्रशिक्षित व अनुभवी अग्निवीरों की तैनाती की घोषणा के बाद उम्मीद जगी है कि हरियाणा की सुरक्षा कुशल हाथों में रहेगी। तब प्राकृतिक, औद्योगिक व आगजनी आदि की घटनाओं में जन-क्षति को कम करने में मदद मिल सकेगी। हालांकि, अब तक हरियाणा में आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में आईआरबी की बटालियन पहले ही नोडल डिजास्टर रिस्पॉन्स एजेंसी के रूप में सक्रिय रही है। इसके अंतर्गत सैकड़ों कर्मचारियों को आपदाओं से निबटने के लिये प्रशिक्षण दिया जा चुका है। लेकिन आपदाओं व दुर्घटनाओं की घातकता के मद्देनजर स्पेशल व स्थायी बल की आवश्यकता लगातार महसूस की जाती रही है।

शांति का मुखौटा, सत्ता की रणनीतिः ट्रंप का वैश्विक विरोधाभास

(लेखक - ललित गर्ग /ईएमएस)

नोबेल शांति पुरस्कार की उत्कट अभिलाषा में डूबे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का व्यक्तित्व और कार्यशैली वैश्विक राजनीति के लिए एक गहरी विडंबना एवं विरोधाभास बनकर उभरी है। शांति का मसीहा बनने का उनका दावा जितना आकर्षक दिखता है, उतना ही विरोधाभासी उनके कदमों का यथार्थ है। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में वे जहां शांति स्थापित करने का श्रेय लेना चाहते हैं, वहीं उनके निर्णय, वक्तव्य और नीतियां अक्सर युद्ध, अशांति, भय और अस्थिरता को जन्म देती दिखाई देती हैं। यह कैसी शांति है, जो बमों की गूंज, प्रतिबंधों की मार और नफरत की भाषा के साथ चलती है? यह कैसा शांति-दूत होने का नाटक है, जिसमें मानवता का रक्त बहता रहे और सत्ता अपने हित साधती रहे? गाजा में शांति स्थापना के लिए ट्रंप की प्रस्तावित योजना इसी विरोधाभास का नवीन उदाहरण है। इसे शांति से अधिक व्यापारिक सौदे की तरह प्रस्तुत किया गया, मानो दशकों से हिंसा, विस्थापन और अस्मिता के संकट से जूझ रहे लोगों का भविष्य किसी रियल एस्टेट या आर्थिक पैकेज से तय किया जा सकता हो। अंतरराष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र की भूमिका, स्थानीय जनता की सहमति और जवाबदेही-इन सबको दरकिनार कर शांति थोपने की यह कोशिश बताती है कि ट्रंप की दृष्टि में शांति कोई नैतिक या मानवीय मूल्य नहीं, बल्कि शक्ति-प्रदर्शन और राजनीतिक लाभ का औजार है। इस तरह बमों के साये में शांति का दावा डकोसला ही है, जिसमें शांति का सौदा एवं सत्ता की भूख ही दिखती है। ट्रंप की कथित शांति योजना, शांति के नाम पर वर्चस्व की राजनीति ही है। ऐसा लगता है शब्द अहिंसा के और कर्म हिंसा के है। ट्रंप संयुक्त राष्ट्र को अक्षम, पक्षपाती और नौकरशाही से ग्रस्त बताकर उसकी अवहेलना करते रहे हैं, जबकि सच यह है कि वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए बहुपक्षीय संस्थाओं का ढांचा अनिवार्य है। शक्तिशाली देशों को जब यह ढांचा अपने अनुकूल नहीं लगता, तो वे उसे कमजोर करने लगते हैं-ट्रंप इसी प्रवृत्ति का मुखर चेहरा हैं।

डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रस्तावित नए वैश्विक शांति संस्थान का विचार अपने आप में जितना आकर्षक शब्दों से सुसज्जित है, उतना ही अपने अंतर्विरोधों में उलझा हुआ भी है। शांति स्थापना के नाम पर एक ऐसी अंतरराष्ट्रीय संस्था खड़ी करने की कोशिश, जो संयुक्त राष्ट्र जैसे स्वीकृत बहुपक्षीय ढांचे को दरकिनार करती हो, वस्तुतः शांति से अधिक सत्ता-केंद्रित वर्चस्व की आकांक्षा को उजागर करती है। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि जिस नेतृत्व की नीतियों का आधार हथियारों के निर्माण और बिक्री, सैन्य गठबंधनों के विस्तार, युद्ध की धमकियों और आर्थिक दंड के जरिये दुनिया पर दबाव बनाना रहा हो, वह अचानक शांति का नया ठेकेदार कैसे बन सकता है? ट्रंप की राजनीतिक सोच में शांति किसी मानवीय प्रतिबद्धता का नहीं, बल्कि सौदेबाजी, नियंत्रण और लाभ का साधन प्रतीत होती है। इसलिए उनके प्रस्तावित शांति संस्थान की उपयोगिता पर गंभीर संदेह खड़ा होता है। बिना वैधता, जवाबदेही और वैश्विक सहमति के खड़ी की गई कोई भी संस्था शांति का वाहक नहीं बन सकती; वह केवल शक्तिशाली देशों की इच्छाओं को थोपने का उपकरण या जरिया ही बनती है। इस संदर्भ में ट्रंप का यह प्रयास शांति की दिशा में एक ठोस पहल नहीं, बल्कि हिंसा-प्रधान नीतियों पर पर्दा डालने और वैश्विक शासन व्यवस्था पर अपनी पकड़ मजबूत करने का एक और षडयंत्र एवं कुचेष्टा ही दिखाई देता है। ट्रंप की सोच में शांति का अर्थ संघर्षों का समाधान नहीं, बल्कि उन्हें अपने पक्ष में मोड़ना है। कभी वे संयुक्त राष्ट्र के समानांतर इस तरह की एक कथित शांति-व्यवस्था खड़ी करने की बात करते हैं, तो कभी ईरान पर युद्ध की धमकी देते हैं। एक ओर वे यूरोपीय देशों की तारीफ कर अपना प्रभाव जमाने का प्रयास करते हैं, दूसरी ओर उन्हीं देशों पर व्यापारिक प्रतिबंधों और सैन्य खर्च का दबाव डालते हैं। यह दोहरा आचरण और कथनी और करनी का भेद वैश्विक अस्थिरता को बढ़ाता है। शांति की भाषा बोलते हुए हथियारों की बिक्री, सैन्य गठबंधनों का विस्तार और आर्थिक दंड-ये सब उनकी नीतियों के अभिन्न अंग रहे हैं। परिणामस्वरूप दुनिया एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां युद्ध की आहटें तेज हैं और मानवता अस्तित्व के मुहाने पर पहुंचती प्रतीत होती है। गाजा संकट के संदर्भ में यह और भी स्पष्ट हो जाता है कि बिना वैधता, सहमति और जवाबदेही के थोपी गई शांति कभी स्थायी नहीं होती। यदि नागरिकों की सुरक्षा, जीवन की गरिमा और राजनीतिक अधिकारों को नजरअंदाज किया जाए, तो कोई भी समझौता खोखला साबित होगा। ट्रंप का दृष्टिकोण इन मूलभूत सच्चाइयों को अक्सर अनदेखा करता है। आर्थिक वादों को राजनीतिक अधिकारों के विकल्प के रूप में प्रस्तुत करना एक खतरनाक भ्रम है, जो जमीनी वास्तविकताओं के बोझ से ढह जाता है। शांति तभी टिकाऊ हो सकती है जब उसमें स्थानीय लोगों की वास्तविक आवाज शामिल हो, उनके दुख-दर्द को समझा जाए और न्यायपूर्ण समाधान की दिशा में ईमानदार पहल हो। भारत को गाजा में शांति प्रयासों में शामिल करने का प्रस्ताव भी इसी जटिलता को उजागर करता है। भारत का कूटनीतिक इतिहास बहुपक्षवाद, संयुक्त राष्ट्र की केंद्रीय भूमिका और द्विराष्ट्र सिद्धांत के समर्थन से जुड़ा रहा है। भारत के इस्राइल से अच्छे संबंध हैं, तो अरब देशों में भी उसकी विश्वसनीयता बनी हुई है। लेकिन यदि शांति प्रक्रिया संयुक्त राष्ट्र को दरकिनार करती है, तो यह भारत की स्थापित कूटनीतिक परंपरा के अनुकूल नहीं होगा। भारत ने हमेशा प्रत्यक्ष हस्तक्षेप के बजाय स्थिरता और संवाद को प्राथमिकता दी है। ऐसे में ट्रंप-प्रेरित पहल में शामिल होना भारत के लिए भी एक नैतिक और रणनीतिक चुनौती बन सकता है। वास्तव में ट्रंप की नीतियां एक ऐसे विश्व-दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करती हैं, जहां शक्ति ही सत्य है और नैतिकता केवल भाषणों तक सीमित है। उनकी बयानबाजी में नफरत और विभाजन की छाया साफ दिखती है। आप्रवासन, नस्ल, धर्म और राष्ट्रवाद के मुद्दों पर उनकी भाषा ने वैश्विक स्तर पर असहिष्णुता को बढ़ावा दिया। जब विश्व का सबसे शक्तिशाली देश इस तरह का संदेश देता है, तो उसका असर सीमाओं से परे जाता है। युद्ध केवल गोलियों और मिसाइलों से नहीं लड़ा जाता, वह विचारों और शब्दों से भी लड़ा जाता हैकृऔर ट्रंप के शब्द अक्सर आग में घी डालने का काम करते रहे हैं।

जैसा सोचेंगे वैसा ही फल मिलेगा

यदि आपका मन प्रसन्न नहीं है तो इसका जिम्मेदार कोई और नहीं है बल्कि आप स्वंय हैं। इसी प्रकार अगर आप सुखी है तो यह भी आपको अपने ही कारण प्राप्त हुआ है। ईश्वर का आपके सुख-दु- ख से कोई संबध नहीं है। ईश्वर तो मात्र कर्म का फल प्रदान करने वाला है। यूं समझ लीजिए कि ईश्वर कमल का पुष्प है। कमल पुष्प जैसे कीचड़ में रहकर भी कीचड़ के गुण दोष से प्रभावित नहीं होता, उसी प्रकार ईश्वर सब में और सब के बीच में रहकर भी किस से न तो मित्रता करता है और न शत्रुता। आप जैसा करेंगे और जैसा चाहेंगे वैसे ही आपके आस-पास का वातावरण तैयार कर देगा। हस्तरेखा विज्ञान भी भविष्य को जानने का एक माध्यम है। लेकिन अगर आप अपने हाथों को गौर से देखें तो पाएंगे कि समय-समय पर हाथों की रेखाओं में परिर्वतन हो रहा है। यह परिर्वतन आपके कर्म और व्यवहार के अनुरूप होता है। इसलिए अगर आप सोचते हैं कि एक बार जो किस्मत में लिखकर आ गया है ऐसा होना तय है तो मन से इस धारणा को निकाल दीजिए। अगर ऐसा होता है तो ज्योतिषशास्त्र से सिर्फ भविष्य देखा जा सकता था। लेकिन ज्योतिषशास्त्रों में भविष्य देखने के साथ ही साथ उपाय भी बताये जाते हैं ताकि घटना में बदलाव किया जा सके। भगवान श्री कृष्ण ने गीता में कहा है कि उद्धारेदात्मनात्मानं नात्मानवसादयेत। आत्मैव ह्यात्मनो बन्धुरात्मैव रिपुरात्मन?।। अर्थात मनुष्य स्वयं ही अपना शत्रु और मित्र है। मनुष्य को चाहिए कि वह स्वयं को पतन से बचाये और संसार रूपी समुद्र से उद्धार के लिए प्रयास करे। जो मनुष्य स्वयं का मित्र होता है वह सकरात्मक सोच रखता है और ईश्वर ने जो भी साधन प्रदान किये हैं उसी से संतुष्ट होकर उन्नति के लिए प्रयास करता है। इसके विपरीत जो लोग साधन हीनता का रोना रोते रहते हैं और उन्नति के प्रयास नहीं करते हैं वह स्वयं ही अपने शत्रु हैं। वेद में कहा गया है कि उद्यानं ते पुरूष नावयनम्। यानी हे पुरूष! तुझे ऊपर उठना है न कि नीचे गिरना। इसलिए मनुष्य को हमेशा उन्नति के लिए ऊपर उठने के लिए प्रयास करना चाहिए। नकारात्मक सोच रखने से मन दु?खी होता है और प्रोध बढ़ता है। वाणी में प्रेम और मधुरता नहीं रह जाती है। अनायास ही कोई गलत कार्य कर बैठते हैं। इसलिए सोच बदलिए और उन्नति के लिए प्रयास कीजिए। जैसा आप सोचेंगे वैसा हो जाएगा।

विचार मंथन

शेयर बाजार की गिरावट से निवेशकों को भारी झटका

(लेखक-सनत जैन)

-सोना-चांदी नई ऊंचाई पर, रुपये का अवमूल्यन

भारत का वित्तीय बाजार इन दिनों अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है। एक ओर शेयर बाजार में लगातार गिरावट से निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है, तो वहीं दूसरी तरफ सोने और चांदी की कीमतें रोजाना नया रिकॉर्ड बना रही हैं। इसी बीच डॉलर के मुकाबले रुपये के मूल्य में लगातार गिरावट होने से भारत में महंगाई और आयातित सामान की लागत बढ़ने से नई चिंताएं खड़ी हो गई हैं। शेयर बाजार में पिछले कुछ सत्रों में सेंसेक्स और निफ्टी में भारी गिरावट देखने को मिली है। पिछले तीन-चार सत्रों में 20 लाख करोड़ से ज्यादा का नुकसान हो चुका है। वैश्विक बाजारों में कमजोरी, अमेरिका में ब्याज दरों को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। पश्चिम एशिया और यूरोप में भू-राजनीतिक तनाव तथा भारत के शेयर बाजार में विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की बिकवाली ने भारतीय बाजार पर दबाव बढ़ा दिया है। आईटी, बैंकिंग और मेटल जैसे प्रमुख सेक्टरों के शेयरों में मुनाफा वसूली से छोटे निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। संस्थागत वित्तीय निवेशकों को भी भारी नुकसान हुआ है। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है, जब तक वैश्विक स्तर पर इस तरह की अराजकता देखने को मिल रही है, तब तक बाजार में यह उतार-चढ़ाव बना रहेगा। शेयर बाजार की इस स्थिति को देखते हुए सोना और चांदी को सुरक्षित निवेश का विकल्प माना जा रहा है। वही शेयर बाजार की गिरावट से बैंकिंग सेक्टर में भी जिस तरह की स्थिति देखने को मिल रही है, ऐसी स्थिति में निवेशक बैंक और शेयर बाजार से अपना पैसा निकालकर सोने एवं चांदी में निवेश कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी के दाम निरंतर बढ़ रहे हैं। चीन से सबसे ज्यादा चांदी का निर्यात होता है। चीन सरकार ने चांदी के निर्यात पर लाइसेंस प्रणाली लागू कर दी है, जिसके कारण चांदी में भारी तेजी देखने को मिल रही है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में तेजी, डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी से घरेलू बाजार में सोना महंगा होता जा रहा है। चांदी की कीमतों में भी तेज उछाल बना हुआ है। चांदी की औद्योगिक मांग और निवेश दोनों में मांग बढ़ रही है। आर्थिक विश्लेषकों का कहना है, ट्रंप के टैरिफ एवं उनकी आक्रामक नीतियों के कारण आर्थिक जगत में वैश्विक अनिश्चितता बढ़ती जा रही है। रिजर्व बैंक यदि बैंक ब्याजदरों में कटौती करता है तो ऐसी स्थिति में, आने वाले महीनों में सोने-चांदी की कीमतें और भी बढ़ सकती हैं। सोने एवं चांदी में जिस तरह से सट्टेबाजी बढ़ गई है, उसके कारण बाजार में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। डॉलर के मुकाबले रुपये का लगातार कमजोर होना, भारत की आर्थिक स्थिति को और भी गंभीर बना रहा है। कच्चे तेल, खाद्य तेल और इलेक्ट्रॉनिक सामान, आयातित उत्पाद लगातार महंगे हो रहे हैं। रुपये के अवमूल्यन से निर्यातकों को राहत जरूर मिली है, लेकिन आयात के मुकाबले भारत का निर्यात बहुत कम है।

आम उपभोक्ता के लिए यह स्थिति चिंता का विषय है। आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार, शेयर बाजार में यदि सुधार नहीं हुआ, डॉलर के मुकाबले रुपया मजबूत नहीं हुआ, रुपये पर इसी तरह का दबाव यदि आगे भी बना रहा तो भारत के लिए आर्थिक स्थिति बहुत चिंतनीय होगी।

कुल मिलाकर, भारतीय अर्थव्यवस्था के सामने यह समय सबसे चुनौतीपूर्ण है। शेयर बाजार की गिरावट से निवेशकों विशेष रूप से बैंकिंग और वित्तीय संस्थानों को भारी नुकसान हुआ है। आने वाले समय में सरकार की नीतियां, नए साल का बजट रिजर्व बैंक की नीतियां और वैश्विक परिस्थितियां भारत की अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती बनकर सामने आ रही हैं। यह अस्थिरता कब तक बनी रहेगी कहना मुश्किल है।

निफ्टी का रुझान कमजोर, गोल्ड ईटीएफ में खरीदारी की दी सलाह जो मजबूत तेजी में है

नई दिल्ली। शेयर बाजार में कमजोरी के संकेत और गहरे होते नजर आ रहे हैं। कारोबारी सत्र के दौरान निफ्टी इंडेक्स ने 25,473 के अहम स्तर को मजबूती से तोड़ दिया, जिसे तकनीकी रूप से एक बड़ा सपोर्ट माना जा रहा था। अब निफ्टी 200 दिन के मूविंग एवरेज के बेहद करीब पहुंच गया है, जो करीब 25,160 से 25,113 के बीच है। यह स्तर फिलहाल आखिरी बड़ा तकनीकी सहारा माना जा रहा है। एचडीएफसी सिक्यूरिटीज के सीनियर टेक्निकल और डेरिवेटिव एनालिस्ट के मुताबिक सभी टाइम फ्रेम पर निफ्टी का रुझान कमजोर बना हुआ है। अगर इंडेक्स 200डीएमए के नीचे चला जाता है, तो इसमें और बिकवाली देखने को मिल सकती है और निफ्टी 24,800 से 24,900 के स्तर तक जा सकता है। वहीं, अगर बाजार में थोड़ी रिकवरी आती है, तो 25,470 से 25,500 का दायरा अब रेजिस्टेंस के तौर पर काम करेगा। उन्होंने कहा कि मौजूदा बाजार हालात में गोल्ड एक सुरक्षित विकल्प के तौर पर उभर रहा है। उन्होंने एसबीआई गोल्ड ईटीएफ में खरीदारी की सलाह दी है। यह ईटीएफ इस समय मजबूत तेजी में है और सभी अहम मूविंग एवरेज के ऊपर ट्रेड कर रहा है। इसके साथ ही वॉल्यूम में भी बढ़ोतरी देखने को मिली। उनका कहना है कि बीते डेढ़ साल से गोल्ड एसेट क्लास लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। गोल्ड ईटीएफ में 129.58 के आसपास खरीदारी की सलाह दी गई है। इसमें स्टॉप लॉस 125 रखा गया है, जबकि ऊपर की ओर 136 का लक्ष्य बताया गया है। फिन निफ्टी इंडेक्स को लेकर एक्सपर्ट ने सावधानी बरतने की सलाह दी है। विनय रजानी के मुताबिक फिन निफ्टी ने डेली चार्ट पर एक बेयरिश हेड एंड शोल्डर पैटर्न से ब्रेकडाउन दिया है, जो कमजोरी का संकेत है। इसके साथ ही इंडेक्स ने 50 डीईएमए का सपोर्ट भी तोड़ दिया है और इस गिरावट के दौरान वॉल्यूम ज्यादा रहा है, जिससे कमजोरी की पुष्टि होती है। उन्होंने फिन निफ्टी जनवरी फ्यूचर्स में 27,200 के स्तर पर बिकवाली की सलाह दी है। इसमें 27,350 का स्टॉप लॉस रखने को कहा गया है, जबकि गिरावट में 27,000 का लक्ष्य दिया गया है।

जियो की लिस्टिंग और रिटेल कारोबार में तेजी से कंपनी को सपोर्ट मिलेगा

-ब्रोकरेज ने स्टॉक पर टारगेट प्राइस बढ़ाया, मिल सकता है 30 फीसदी का रिटर्न

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयरों में मंगलवार को गिरावट देखने को मिली। तेल से लेकर रिटेल सेक्टर की कंपनी के शेयर बीएसई पर 1.4 फीसदी गिरकर 1391 रुपए पर बंद हुए। यह सेंसेक्स के सबसे ज्यादा गिरावट में रहने वाले शेयरों में शामिल रहा और इंडेक्स के सबसे बड़े नेगेटिव कंट्रीब्यूटर में से एक रहा। शेयर में जारी उतार-चढ़ाव के बीच ब्रोकरेज हाउस सीएलएसए ने रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर पर बुलिश आउटलुक दिया है। ब्रोकरेज का कहना है कि जियो की लिस्टिंग और रिटेल कारोबार में तेजी से कंपनी को सपोर्ट मिलेगा। सीएलएसए ने रिलायंस इंडस्ट्रीज पर बाय' की रेटिंग को बरकरार रखा है। ब्रोकरेज ने स्टॉक पर टारगेट प्राइस बढ़ाकर 1800 रुपए कर दिया है। इस तरह मौजूदा भाव से करीब 30 फीसदी का रिटर्न दे सकता है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर मंगलवार को 1393 रुपए पर बंद हुए थे। ब्रोकरेज ने रिपोर्ट में कहा है कि जियो की लिस्टिंग साल 2026 के मध्य तक हो सकती है और यह इस साल कंपनी के लिए एक अहम घटना साबित होगी। ब्रोकरेज के मुताबिक मार्च 2027 तक रिलायंस के दूरसंचार कारोबार जियो का एंटरप्राइज वैल्यू करीब 161 अरब डॉलर आंका गया है। वहीं मार्च 2028 तक यह बढ़कर 190 अरब डॉलर हो सकता है। यह वैल्यूएशन वैश्विक कंपनियों की तुलना में 15 फीसदी प्रीमियम पर किया गया है, जिसमें फ्री कैश फ्लो को मुख्य आधार माना गया है। हालांकि ब्रोकरेज ने नए एनर्जी बिजनेस के लिए अपने मल्टिपल घटा दिए हैं। साथ ही रिटेल कारोबार के वैल्यूएशन में भी कटौती की है, जिसे दो साल पहले हुई हिस्सेदारी बिक्री के इक्विटी मूल्य से करीब 10 फीसदी कम माना गया है। ब्रोकरेज का कहना है कि क्विक कॉमर्स, एफएमसीजी और मीडिया कारोबार में संभावित बढ़त से भी कंपनी को अतिरिक्त मूल्य मिल सकता है। रिलायंस इंडस्ट्रीज का अक्टूबर-दिसंबर अवधि में कंपनी का नेट प्रॉफिट 18,645 करोड़ रहा, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 18,540 करोड़ था। एक्सचेंज फाइलिंग में कंपनी ने बताया कि अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में उसका ऑपरेशन से रेवेन्यू बढ़कर 2.69 लाख करोड़ रुपए हो गया, जो अक्टूबर-दिसंबर 2024 में 2.43 लाख करोड़ रुपए था। रिलायंस इंडस्ट्रीज की टेलीकॉम और डिजिटल इकाई जियो प्लेटफॉर्म्स ने दिसंबर तिमाही में मजबूत प्रदर्शन किया है। कंपनी ने बताया था कि बीते साल की समान तिमाही के मुकाबले उसका कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट 11.3 फीसदी बढ़कर 7,629 करोड़ रुपए पहुंच गया।

कमजोर डॉलर और ग्रीनलैंड संकट ने आसमान पर पहुंचाए दाम

सोना पहली बार 1.5 लाख पार, चांदी 10 हजार बढ़कर 3.20 लाख पर पहुंची

सोने-चांदी ने तोड़े सारे रिकॉर्ड!

नई दिल्ली।

सोने और चांदी की कीमतें ताजा रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गईं। कमजोर अमेरिकी डॉलर और ग्रीनलैंड संकट पर बढ़ते तनाव के बीच मजबूत सेफ-हेवन मांग से दोनों महंगी धातुओं के दाम में जमकर इजाफा हुआ। जापानी सरकारी बांडों में मंदी से अतिरिक्त समर्थन मिला। बुधवार को 10 ग्राम सोने की कीमत 151,575 पर खुली जबकि पिछले सत्र में यह 150,565 थी। कीमती धातु आज 153,831 प्रति 10 ग्राम के नए सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई। बुधवार को एमसीएक्स पर 1 किलोग्राम चांदी की कीमत 322,566 से शुरू हुई, जबकि पिछले कारोबारी सत्र में यह 323,672 थी। सफेद धातु आज 1 किलोग्राम के लिए 326,487 की नई सर्वकालिक ऊंचाई पर पहुंच गई। अगर अमेरिकी टैरिफ और मध्य पूर्व में तनाव और बढ़ता है, तो सोना 2026 के मध्य तक 1,90,000 के स्तर को छू सकता है।

ग्लोबल टेंशन और ग्रीनलैंड विवाद

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की जिद और इस मुद्दे पर यूरोपीय देशों को टैरिफ की धमकी ने वैश्विक बाजारों बाजारों अस्थिरता बढ़ गई है। जब भी दुनिया में ट्रेड वॉर का खतरा बढ़ता है, निवेशक शेयर बाजार से पैसा निकालकर सुरक्षित निवेश यानी सोने की ओर भागते हैं।

रुपए की रिकॉर्ड कमजोरी

भारत में सोने की कीमत केवल वैश्विक दरों पर नहीं, बल्कि डॉलर-रुपया एक्सचेंज रेट पर भी निर्भर करती है। आज रुपया डॉलर के मुकाबले 91.10 के ऑल-टाइम लो पर है। एलकेपी सिक्योरिटीज के जतिन त्रिवेदी के अनुसार, रुपए की कमजोरी की वजह से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खरीदे जाने वाले सोने की लैंडिंग कॉस्ट भारत में बहुत महंगी हो गई है, जिससे घरेलू बाजार में कीमतें 1.5 लाख के पार निकल गईं।

सेंट्रल बैंकों की भारी खरीदारी

दुनिया भर के केंद्रीय बैंक (जैसे भारत का आरबीआई) अपने विदेशी मुद्रा भंडार को सुरक्षित रखने के लिए सोने का स्टॉक बढ़ा रहे हैं।

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के आंकड़ों के अनुसार, 2025 में रिकॉर्ड खरीदारी के बाद 2026 की शुरुआत में भी सेंट्रल बैंकों की मांग मजबूत बनी हुई है, जिससे सप्लाई कम और डिमांड ज्यादा होने के कारण कीमतें बढ़ रही हैं।

भारत पर लगे 50 फीसदी टैरिफ की कीमत अमेरिकी खरीदारों ने चुकाई

-भारतीय निर्यातकों ने अमेरिका भेजे जाने वाले सामान की मात्रा घटाई

नई दिल्ली। अमेरिका ने जब भारत से आने वाले सामान पर 50 फीसदी टैरिफ लगाया, तो माना जा रहा था कि भारतीय निर्यातक दबाव में कीमतें घटा देंगे, लेकिन यह गलत साबित हुआ। भारतीय निर्यातकों ने अपने दाम जस के तस रखे। घाटा उठाने के बजाय उन्होंने अमेरिका को भेजे जाने वाले सामान की मात्रा ही कम कर दी। जर्मनी की नई रिसर्च बताती है कि अमेरिका जाने वाला भारतीय निर्यात 18 से 24 फीसदी तक घट गया। इसके उलट यूरोप, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे दूसरे बाजारों में भारतीय निर्यात पर टैरिफ की मार नहीं पड़ी। इससे यह साफ हो गया कि टैरिफ का असर कीमतों पर नहीं बल्कि व्यापार की मात्रा पर पड़ा। रिसर्च में सबसे अहम सुराग कीमतों से मिला। अगर भारतीय निर्यातक टैरिफ का बोझ खुद उठा रहे होते, तो अमेरिका भेजे गए सामान के दाम दूसरे देशों के मुकाबले गिरते, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अमेरिका और यूरोपीय संघ, कनाडा व ऑस्ट्रेलिया को भेजे गए भारतीय सामान के दाम करीब एक जैसे रहे। इसका मतलब साफ है कि टैरिफ की कीमत अमेरिकी खरीदारों ने चुकाई। हालांकि यह तस्वीर भारत को राहत देने वाली नहीं है। दिसंबर में अमेरिका को भारत का निर्यात साल दर साल 1.83 फीसदी घटकर 6.88 अरब डॉलर रह गया। इससे भी बड़ा झटका जेम्स और ज्वैलरी सेक्टर को लगा, जहां अप्रैल से दिसंबर के बीच निर्यात 44 फीसदी से ज्यादा टूट गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कील इंस्टीट्यूट ने जनवरी 2024 से नवंबर 2025 के बीच दुनिया भर के 2.5 करोड़ से ज्यादा व्यापारिक सौदों और करीब 4 ट्रिलियन डॉलर के कारोबार का विश्लेषण किया। अध्ययन में सामने आया कि वैश्विक स्तर पर लगाए गए टैरिफ का सिर्फ 4 फीसदी बोझ निर्यातकों ने झेला, जबकि पूरे 96 फीसदी की कीमत अमेरिकी नागरिकों को चुकानी पड़ी।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 270, निफ्टी 75 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही अमेरिकी सरकार के ग्रीनलैंड को लेकर यूरोप से टकराव की आशंका से भी आई है। इससे घरेलू बाजार पर दबाव पड़ा है क्योंकि निवेशकों ने दूरी बरतना जारी रखा है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 270.84 अंक टूटकर 81,909.63 और 50 शेयरों पर आधारित निफ्टी 75 अंक नीचे आकर 25,157.50 पर बंद हुआ। कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, डिफेंस, पीएसयू बैंक और फाइनेंशियल सर्विसेज इंडेक्स के शेयर नीचे आये। इन सभी में 1.66 फीसदी की गिरावट रहीं। वहीं दूसरी ओर धातु, ऑयलएंडगैस, इन्फ्रा, एनर्जी और कमोडिटीज के शेयरों में खरीददारी हावी रही। आज लार्जकैप की जगह पर मिडकैप और स्मॉलकैप में अधिक बिकवाली रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 661.70 अंक नीचे आकर 57,423.65 और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 149.85 अंक नीचे आकर 16,551.20 पर रहा। सेंसेक्स पैक में अल्ट्राटेक सीमेंट, इंडिगो, अदाणी पोर्ट्स, पावर ग्रिड, टाटा स्टील, टीसीएस, बजाज फिनसर्व, टेक महिंद्रा और बजाज फाइनेंस के शेयर लाभ में रहे जबकि आईसीआईसीआई बैंक, ट्रेंट, बीईएल, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, एलएंडटी, एसबीआई, मारुति सुजुकी और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर गिरे। बाजार में बिकवाली का दबाव काफी बढ़ गया । बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में बढ़ने वाले शेयरों की संख्या 1,437 और गिरने वाले शेयरों की संख्या 2,831 और 137 शेयर बिना किसी बदलाव के बंद हुए।।

इससे पहले आज सुबह गिरावट पर खुला। सुबह सेंसेक्स 81,794 अंक पर खुला। सुबह यह 92.99 अंक बढ़कर 82,273.46 अंक पर कारोबार कर रहा था। वहीं इसी तरह निफ्टी भी 25,141 अंक पर खुला। शुरुआत में ये 4.20 अंक की गिरावट के साथ 25,228.30 पर था। वहीं दूनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजार में गिरावट में रहे। इसकी कारण ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिका द्वारा यूरोपीय देशों को दी गई धमकी है। इससे जापान का निक्केई इंडेक्स 0.35 फीसदी टूटा। अमेरिका ने आठ यूरोपीय देशों पर 10 फीसदी टैरिफ लगाया है, जो 1 फरवरी से लागू होगा और अगर ये ग्रीनलैंड मामले में विरोध करते रहे तो ये जून में बढ़कर 25 फीसदी हो जाएगा। वॉल स्ट्रीट में भी गिरावट रही। बाजार में उतार-चढ़ाव नवंबर के बाद सबसे ज्यादा स्तर पर पहुंच गया। एसएंडपी 500 और नैस्डैक दोनों इंडेक्स 2 फीसदी से ज्यादा टूटकर बंद हुए। अब सभी की नजरे दावोस में हो रहे वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम पर है। यहां दुनिया भर के नेताओं ने अमेरिका का विरोध किया है।

रुपया डॉलर के मुकाबले फिर धड़ाम, 76 पैसे गिरकर सर्वकालिक निचले स्तर पर पहुंचा

डॉलर के मुकाबले 91.73 पर पहुंचा रुपया

नई दिल्ली।

वैश्विक बाजारों में सतर्कता और डॉलर की मजबूत मांग के बीच बुधवार को भारतीय रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले तेज गिरावट के साथ रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया। रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 76 पैसे गिरकर सर्वकालिक निचले स्तर 91.73 (अस्थायी) पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा व्यापारियों का कहना है कि रुपये ने 16 दिसंबर, 2025 को अपना अब तक का सबसे निचला स्तर 91.14 दर्ज किया था और इस महीने अब तक स्थानीय मुद्रा में 1.50 प्रतिशत की गिरावट आई है।

फॉरेक्स कारोबारियों के अनुसार, बढ़ती भू-राजनीतिक अनिश्चितता और अमेरिका से मिल रहे विस्तारवादी संकेतों के चलते निवेशकों में जोखिम से बचने का रुख बढ़ा है। इसका दबाव उभरती अर्थव्यवस्थाओं की मुद्राओं पर बना हुआ है, जिसमें भारतीय रुपया भी शामिल है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में, रुपया 91.05 पर खुला और डॉलर के मुकाबले दिन के निचले स्तर 91.74 तक गिर गया। मंगलवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 7 पैसे गिरकर रिकॉर्ड निचले स्तर 90.97 पर बंद हुआ।

रुपया क्यों हो रहा कमजोर?

सीआर फॉरेक्स एडवाइजर्स के एमडी अमित पबारी ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प द्वारा व्यापार युद्ध की बयानबाजी को फिर से शुरू करने और ग्रीनलैंड पर अपना दबाव बढ़ाने से बाजार पहले से ही अस्थिर थे।

अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड चार महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई, जबकि डॉलर लगातार दूसरे दिन कमजोर हुआ। यह इस बात का संकेत है कि निवेशक न केवल जोखिम बल्कि दिशा पर भी सवाल उठा रहे हैं। पबारी ने आगे कहा कि लगातार वैश्विक बेचैनी, साथ ही 91.07 से ऊपर लगातार गिरावट, धीरे-धीरे 91.70-92.00 क्षेत्र की ओर द्वार खोल सकती है, जब तक कि आरबीआई के सक्रिय हस्तक्षेप द्वारा इसे रोका न जाए। उन्होंने कहा कि नकारात्मक गिरावट की ओर देखें तो, किसी भी सुधारात्मक गिरावट को 90.30-90.50 के दायरे में पहला समर्थन मिलने की संभावना है। इस बीच, डॉलर सूचकांक, जो छह मुद्राओं की एक टोकरी के मुकाबले डॉलर की मजबूती को मापता है, 0.02 प्रतिशत गिरकर 98.61 पर कारोबार कर रहा था।

कच्चे तेल की कीमतों में बदलाव से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में आया फर्क

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल क्रूड की कीमतों में आये बदलाव से देश भर में पेट्रोल डीजल की कीमतों पर भी प्रभाव पड़ा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें 64 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गयी हैं जिससे घरेल बाजार में भी पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर असर पड़ा है। इससे यूपी के गौतमबुद्ध नगर जिले में पेट्रोल की कीमतें 14 पैसे बढीं हैं जिससे ये 94.88 रुपये लीटर पहुंच गया। वहीं डीजल की कीमतों में भी 17 पैसे की बढ़त रही जिससे ये 87.98 रुपये लीटर पहुंच गया है। वहीं गाजियाबाद में पेट्रोल की कीमतें 12 पैसे कम हुई हैं जिससे ये 94.58 रुपये प्रति लीटर और डीजल 14 पैसे सस्ता होने के बाद 87.67 रुपये लीटर आ गया जबकि बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल की कीमतें 20 पैसे बढ़ी जिससे ये 105.73 रुपये लीटर पहुंच गया है। दूसरी ओर डीजल की कीमतें 19 पैसे बढ़ी हैं जिससे ये 91.96 रुपये लीटर आ गयी हैं कच्चे तेल की कीमतों में पिछले 24 घंटे में गिरावट रही है। ब्रेंट क्रूड का भाव 0.83 डॉलर गिरकर 64.09 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। वहीं डब्ल्यूटीआई का भाव करीब 0.90 डॉलर बढ़त के साथ 60.34 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। चारों महानगरों की बात करें तो दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर। मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक के मुनाफे में 26 प्रतिशत का उछाल, 668 करोड़ रहा शुद्ध लाभ

तीसरी तिमाही में मार्जिन और एसेट क्वालिटी में दिखा मजबूत सुधार; रणबीर कपूर और रश्मिका मंदाना बने नए ब्रांड एंबेसडर

मुंबई ।

देश के प्रमुख एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही के शानदार नतीजे घोषित कर दिए हैं। बैंक का शुद्ध लाभ (पीएटी) वार्षिक आधार पर 26 प्रतिशत की बढ़त के साथ 668 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। पिछले वर्ष की इसी अवधि में यह आंकड़ा 528 करोड़ रुपये था। बैंक ने न केवल मुनाफे में बल्कि जमा राशि और ऋण वितरण में भी दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज की है। जीएसटी दरों में कटौती और त्योहारी सीजन की मजबूत मांग ने बैंक के प्रदर्शन को नई ऊंचाई देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

बैंक के वित्तीय स्वास्थ्य के लिहाज से यह तिमाही काफी महत्वपूर्ण रही। नेट इंटरेस्ट मार्जिन पिछली तिमाही के 5.5 प्रतिशत से बढ़कर 5.7 प्रतिशत हो गया है। सबसे उत्साहजनक पहलू बैंक की एसेट क्वालिटी रही है, जहां सकल एनपीए घटकर 2.30 प्रतिशत पर आ गया है। साथ ही बैंक की ऋण लागत में 34 प्रतिशत की बड़ी कमी देखी गई है, जो बेहतर जोखिम प्रबंधन और अनुशासित अंडरराइटिंग का प्रमाण है। जमा पुस्तक में भी 23.3 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई है, जिससे कुल जमा राशि 1.38 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गई है।

बोर्ड ने बैंक के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए नेतृत्व के स्तर पर महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। उत्तम टिब्रेवाल अप्रैल 2026 के बाद भी डिप्टी सीईओ के रूप में कार्यभार संभालते रहेंगे, जबकि विवेक त्रिपाठी को होल टाइम डायरेक्टर (कार्यकारी निदेशक) के रूप में नियुक्त करने का प्रस्ताव दिया गया है। बैंक ने अपने गवर्नेंस ढांचे को और मजबूत करने के लिए तीन नए स्वतंत्र निदेशकों की भी नियुक्ति की है। तकनीकी मोर्चे पर बैंक अपनी प्रक्रियाओं को एआई-नेटिव आर्किटेक्चर में बदलने पर काम कर रहा है ताकि ग्राहकों को अधिक सुगम और सुरक्षित अनुभव मिल सके।

बैंक ने अपनी भौगोलिक उपस्थिति बढ़ाते हुए इस तिमाही में 100 नए टचपॉइंट जोड़े हैं, जिससे अब कुल नेटवर्क 2,726 केंद्रों तक पहुंच गया है।

चीन को लेकर भारत के रुख में नरमी के संकेत

नई दिल्ली।

करीब पांच वर्ष पहले गलवान घाटी की घटना के बाद भारत सरकार ने चीन के प्रति सख्त रुख दिखाया था। चीनी कंपनियों के निवेश, सरकारी खरीद और उत्पादों पर कड़े प्रतिबंध लगाए गए, साथ ही देशभर में चीनी सामान के बहिष्कार किया गया। लेकिन बदलते वैश्विक राजनीतिक समीकरणों के बाद मोदी सरकार चीन को लेकर अपनी रणनीति पर पुनर्विचार करती नजर आ रही है।

सरकारी सूत्रों के अनुसार, वर्ष 2020 के बाद चीनी कंपनियों की भारत में निवेश और सरकारी टेंडरों में भागीदारी पर कई स्तरों पर रोक लगी थी। अब यह समझ बन रही है कि यदि कोई निवेश देश में रोजगार सृजन करता है और घरेलू उत्पादन क्षमता को मजबूत करता है, तब उस निवेश को प्रोत्साहन मिलना चाहिए। विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार राष्ट्रवादी भावनाओं के बजाय अब आर्थिक लाभ और व्यावहारिक जरूरतों को महत्व दे रही है। हालांकि टेलीकॉम, रक्षा और रणनीतिक बुनियादी ढांचे जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में चीनी कंपनियों पर प्रतिबंध फिलहाल जारी रहेगा।

मोदी सरकार इसतरह के निवेश पर फोकस कर सकती है जो तकनीक हस्तांतरण के साथ बड़े पैमाने पर रोजगार उपलब्ध कराएं। नीति-निर्माताओं का मानना है कि निवेश को निवेशक की राष्ट्रीयता के बजाय उसकी गुणवत्ता और परियोजना की उपयोगिता के आधार पर आंका चाहिए। इसी दिशा में गैर-रणनीतिक क्षेत्रों में चीनी कंपनियों को सरकारी खरीद में सीमित अनुमति देने पर भी विचार हो रहा है। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) से जुड़े नियमों में भी आंशिक ढील की संभावना है। कड़ी जांच प्रक्रिया को कुछ क्षेत्रों, जैसे रिन्यूएबल एनर्जी और मैन्युफैक्चरिंग, में आसान किया जा सकता है। केंद्र सरकार का तर्क है कि यदि वस्तुओं का निर्माण देश में संभव है, तब विदेशी पूंजी और तकनीक के जरिए रोजगार बढ़ाया जाना चाहिए।

जनवरी में रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में करीब 10 फीसदी की गिरावट आई

-कंपनी के रिफाइनिंग कारोबार पर भू-राजनीतिक तनाव का सीधा असर पड़ा

नई दिल्ली।

मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज के लिए साल 2026 की शुरुआत अच्छी नहीं रही। जनवरी में ही कंपनी के शेयरों में करीब 10 फीसदी की गिरावट आई। इससे पहले जनवरी में इतनी बड़ी गिरावट आखिरी बार 2011 में आई थी। करीब 19.12 लाख करोड़ रुपए के मार्केट कैप वाली रिलायंस के शेयरों में आई इस गिरावट का असर सीधे निफ्टी 50 पर भी पड़ा, जो अब तक करीब 2 फीसदी फिसल चुका है। कंपनी के उम्मीद से कमजोर तिमाही नतीजों के बाद शेयरों में एक ही दिन में 3 फीसदी की गिरावट आई।

विशेषज्ञों के मुताबिक रिलायंस के रिफाइनिंग कारोबार पर भू-राजनीतिक तनाव का सीधा असर पड़ा है। रूस से कच्चे तेल की सप्लाई घटने और फ्रेट कॉस्ट बढ़ने से कंपनी के ऑयल-टू-केमिकल बिजनेस पर दबाव बढ़ा है। ब्रोकरेज के मुताबिक पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के चलते रिलायंस ने दिसंबर में रूस से तेल आयात में 32.4 फीसदी की कटौती की, जो फरवरी 2024 के बाद सबसे निचला स्तर है। जनवरी में भी रूसी तेल आयात कम रहने की संभावना है। हालांकि कंपनी वेनेजुएला से तेल आयात दोबारा शुरू करने पर अमेरिका से बातचीत कर रही है, जिससे रूसी तेल की कमी की भरपाई हो सकती है।

रिफाइनिंग और फ्यूल बिजनेस में वॉल्यूम ग्रोथ और बेहतर फ्यूल क्रैक्स से कुछ राहत मिली है, वहीं रिलायंस का रिटेल कारोबार कंपनी की कमजोर कड़ी बनकर उभरा है। रिलायंस रिटेल की नेट रेवेन्यू ग्रोथ सिर्फ 9 फीसदी रही, जबकि उसकी प्रतिद्वंद्वी एवेन्यू सुपरमार्ट्स ने 13 फीसदी की ग्रोथ दर्ज की। कंपनी ने इसके लिए त्योहारों की तारीखों में बदलाव और कंज्यूमर प्रोडक्ट्स डिवीजन के डिमर्जर को जिम्मेदार ठहराया। त्योहारी सीजन में भारी छूट और क्विक कॉमर्स में किए गए निवेश के चलते मार्जिन पर भी दबाव पड़ा है। भारत में तेजी से बदलते उपभोक्ता व्यवहार के बीच अब ध्यान पारंपरिक दुकानों से ऑनलाइन और फिर क्विक कॉमर्स की ओर शिफ्ट हो रहा है। 10 मिनट में डिलीवरी वाले इस मॉडल में जहां बड़े मौके हैं, वहीं जोखिम भी कम नहीं हैं। हाल ही में जोमैटो, स्विगी और फिलपकार्ट जैसे प्लेटफॉर्म्स की तेज डिलीवरी मॉडल को लेकर आलोचना भी हुई है। हालांकि रिलायंस का दावा है कि उसका क्विक कॉमर्स बिजनेस पहले से ही मुनाफे में है।

नई नेशनल इलेक्ट्रिसिटी पॉलिसी का मसौदा जारी, बिजली क्षेत्र में बड़े पैमाने पर निवेश की तैयारी

नई दिल्ली। केंद्र की मोदी सरकार ने नई नेशनल इलेक्ट्रिसिटी पॉलिसी का मसौदा जारी कर दिया है, इसके अंतर्गत देश के बिजली क्षेत्र में बड़े पैमाने पर निवेश और सुधारों की योजना तैयार की गई है। पॉलिसी के अनुसार, 2032 तक 50 लाख करोड़ रुपये और 2047 तक 200 लाख करोड़ रुपये का निवेश पावर प्रोडक्शन, ट्रांसमिशन और डिस्ट्रिब्यूशन सेक्टर्स में होगा। इस नई पॉलिसी का मकसद पावर सेक्टर को वित्तीय रूप से मजबूत बनाना, इस कारोबारी रूप से सस्टेनेबल करना और 2047 तक प्रति व्यक्ति बिजली खपत को 4,000 यूनिट (किलोवॉट प्रतिघंटा) तक पहुंचाना है। इसके साथ ही बिजली आपूर्ति में प्रतिस्पर्धा बढ़ाने और गैर-जीवाश्म ऊर्जा की हिस्सेदारी को तेजी से बढ़ाने पर जोर है। ड्राफ्ट पॉलिसी में बताया गया है कि देश की बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) पर वर्तमान में करीब 6.9 लाख करोड़ रुपये का घाटा है और उनका कुल बकाया कर्ज 7.18 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। पॉलिसी में माना गया है कि मौजूदा बिजली दरें लागत के अनुरूप नहीं हैं और क्रॉस-सब्सिडी के कारण उद्योगों को महंगी बिजली मिल रही है, जिससे भारतीय उद्योगों की वैश्विक प्रतिस्पर्धा कमजोर हो रही है। नई नेशनल इलेक्ट्रिसिटी पॉलिसी के तहत केंद्र सरकार ने पावर डिस्ट्रिब्यूशन सेक्टर में एकाधिकार को खत्म करने का प्रस्ताव रखा है। इसके लिए एक ही इलाके में एक से ज्यादा बिजली सप्लायरों को अनुमति देने, पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) को बढ़ावा देने और स्ट्रिब्यूशन कंपनियों को शेयर बाजार में सूची करने की योजना है। ड्राफ्ट में बताया गया हैं कि हर वित्त वर्ष की शुरुआत से पहले टैरिफ ऑर्डर जारी होना अनिवार्य होगा। बीते साल के खर्चों का समायोजन उसी वित्त वर्ष में होगा और डिस्ट्रिब्यूशन व सप्लाई टैरिफ को अलग-अलग दिखाया जाएगा। नियामकीय प्रक्रिया को 120 दिनों के भीतर पूरा करने की व्यवस्था का भी प्रस्ताव है। पॉलिसी के मुताबिक, वित्तीय साल 27 से बिजली दरें पूरी तरह लागत आधारित होंगी और रेगुलेटरी एसेट बनाने से बचा जाएगा। अगर राज्य नियामक आयोग समय पर टैरिफ तय नहीं करता है, तब दरों में ऑटोमैटिक सालाना संशोधन लागू हो सकेगा। इसके अलावा, बिजली खरीद लागत में बढ़ोतरी को हर महीने सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचाने और कीमतों में उतार-चढ़ाव को संभालने के लिए स्टेबलाइजेशन फंड बनाने का सुझाव दिया गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डेरिल और फिलिप्स के शतकों से न्यूजीलैंड ने रचा इतिहास, भारत के खिलाफ पहली बार बनाया ये रिकॉर्ड

इंदौर (एजेंसी)। न्यूजीलैंड ने इतिहास रच दिया, रविवार को इंदौर में तीसरे और आखिरी वनडे में भारत के खिलाफ वनडे में दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी की जिसमें डेरिल मिशेल और ग्लेन फिलिप्स ने शतक लगाए। सीरीज के तीसरे और आखिरी वनडे में जो एक हाई-स्कोरिंग मैच था। मिशेल और फिलिप्स ने उस समय साझेदारी की जब कीवी टीम 58/3 पर थी और उन्होंने चौथे विकेट की साझेदारी में 219 रन बनाए। यह 2022 में ऑकलैंड में भारत के खिलाफ टॉम लैथम और केन विलियमसन की 221 रन की साझेदारी के ठीक पीछे है।

यह पहली बार है जब न्यूजीलैंड के दो बल्लेबाजों ने एक ही वनडे पारी में भारत के खिलाफ शतक बनाए हैं। जबकि मिशेल ने सीरीज का अपना दूसरा शतक (131 गेंदों में 137 रन, 15 चौकों और तीन छक्के) बनाया और फिलिप्स ने सिर्फ 88 गेंदों में 106 रन बनाए जिसमें नौ चौके और तीन छक्के शामिल थे, उनका स्ट्राइक रेट 120 से ऊपर था।

मिशेल का भारत के खिलाफ शानदार प्रदर्शन रहा है और वह हमेशा 'मेन इन ब्लू' के खिलाफ अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर रहे हैं। उन्होंने 13 मैचों और 11 पारियों में 74.10 की औसत और 93 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 741 रन बनाए हैं जिसमें चार शतक और दो अर्धशतक और सर्वश्रेष्ठ स्कोर 137 है। ये चार शतक सिर्फ 11 पारियों में आए हैं जिनमें से दो ढ़ृष्टट क्रिकेट विश्व कप 2023 में सेमीफाइनल मुकाबला भी शामिल है। यह वनडे में भारत के खिलाफ कीवी खिलाड़ियों के लिए दूसरा सबसे ज्यादा शतक है जो नाथन एस्टल के 29 पारियों में पांच शतकों को पीछे छोड़ने से सिर्फ दो कम है।

यह भारत में मिशेल का चौथा वनडे शतक है जो एस्टल के साथ न्यूजीलैंड के बल्लेबाज के लिए संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा है। इसके अलावा भारत के खिलाफ कम से कम 500 वनडे रन बनाने वाले बल्लेबाजों में मिशेल का औसत सबसे ज्यादा है। उनके बाद ऑस्ट्रेलिया के जॉर्ज बेली (74), दक्षिण अफ्रीकी दिग्गज गैरी कर्स्टन (62.6) और जैक्स कैलिस (61.4) और ऑस्ट्रेलिया के उस्मान ख्वाजा (59.9) हैं।

मिशेल ने तीन पारियों में 176.00 की औसत से कुल 352 रन बनाए हैं, इस सीरीज में उनका स्ट्राइक रेट 110 से ज़्यादा रहा है, जिसमें दो शतक, एक अर्धशतक और बेस्ट स्कोर 137 है। वह इस सीरीज़ में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं और तीन मैचों की वनडे सीरीज में न्यूजीलैंड के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी भी हैं। कुल मिलाकर पाकिस्तान के बाबर आजम (2016 में वेस्ट इंडीज़ के खिलाफ 360 रन) और शुभमन गिल (2023 में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ 360 रन) उनसे आगे हैं।

मैच की बात करें तो भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह (3/63) और हर्षित राणा (3/84) की बदौलत भारत ने कीवी टीम को 58/3 पर मुश्किल में डाल दिया था लेकिन मिशेल और फिलिप्स ने 219 रनों की साझेदारी

करके जबरदस्त पलटवार किया और शतक बनाए। कप्तान माइकल ब्रेसवेल (18 गेंदों में 28*, जिसमें एक चौका और तीन छक्के शामिल हैं) और क्रिश्चियन क्लार्क (पांच गेंदों में 11 रन, जिसमें एक चौका और एक छक्का शामिल है) ने हैं को 50 ओवर में 337/8 तक पहुंचाया।

लिन चुन यी और आन से यंग बने इंडिया ओपन चैंपियन

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीनी ताइपे के लिन चुन यी ने रविवार को यहां 950,000 अमेरिकी डॉलर इनामी इंडिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में पुरुष एकल में अपना पहला सुपर 750 खिताब जीता, जबकि दक्षिण कोरिया की विश्व नंबर एक खिलाड़ी आन से यंग ने महिला एकल का खिताब जीतकर अपनी श्रेष्ठता साबित की।

वर्तमान में विश्व में 12वीं रैंकिंग पर काबिज 26 वर्षीय लिन ने पिछले सप्ताह मलेशिया ओपन सुपर 1000 में शुरुआती दौर में बाहर होने के बाद शानदार वापसी करते हुए फाइनल में तीसरी वरीयता प्राप्त जोनाथन क्रिस्टी को 21-10, 21-18 से हराकर पुरुष एकल का खिताब अपने नाम किया। महिला एकल में शीर्ष वरीयता प्राप्त और मौजूदा चैंपियन आन से यंग ने एक बार फिर अपना दबदबा कायम रखते हुए चीन की विश्व में नंबर दो खिलाड़ी वांग झियी को 21-13, 21-11 से हराकर सत्र का अपना दूसरा खिताब जीता।

युगल स्पर्धा में लियू शेंगशु और टैन निंग की चीन की शीर्ष वरीयता प्राप्त महिला जोड़ी ने 58 मिनट तक चले महिला युगल फाइनल में जापान की पांचवीं वरीयता प्राप्त युकी फुकुशिमा और सायका मात्सुमोतो पर 21-11, 21-18 से जीत हासिल करके खिताब अपने नाम किया। मिश्रित युगल का ताज थाईलैंड के तीसरी वरीयता प्राप्त डेचापोल पुवारानुक्रोह और सुपिसरा पेवसम्प्रान को मिला, जिन्होंने डेनमार्क के माथियास क्रिस्टियनसेन और एलेक्जेंड्रा बोजे को 19-21, 25-23, 21-18 से हराया।

आयरलैंड बोर्ड ने आईसीसी से कहा, बांग्लादेश से विश्वकप मैचों का ग्रुप बदलने तैयार नहीं

दुबई (एजेंसी)। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने सुरक्षा कारणों से भारत में अपने विश्वकप मैच खेलने के इंकार करते हुए किसी अन्य देश में ये मैच कराने की अपील की थी जिसे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने ठुकरा दिया था। वहीं इसके बाद बीसीबी ने आईसीसी से अपील की थी कि उसके ग्रुप को आयरलैंड के साथ बदल दिया जाये पर यहां भी उसे झटका लगा है क्योंकि आयरलैंड बोर्ड ने आईसीसी से साफ कहा दिया है कि वह ग्रुप बदलने को तैयार नहीं है। एक रिपोर्ट के अनुसार, क्रिकेट आयरलैंड (सीआई) ने कहा है कि आईसीसी उनके मैचों को श्रीलंका से बाहर नहीं रखे।

सीआई के एक अधिकारी ने कहा, 'आईसीसी ने हमसे साफ कहा है कि कार्याक्रम में बदलाव नहीं होगा। हम अपने ग्रुप स्तर के मैच श्रीलंका में ही खेलेंगे।'

गौरतलब है कि टी20 विश्वकप 2026 में आयरलैंड ग्रुप बी में है, जिसमें उसे ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, जिम्बाब्वे और ओमान के साथ रखा गया हैं। आयरलैंड को अपने सभी ग्रुप स्तर के मैच मैच श्रीलंका में खेलने हैं। इसमें पहले तीन मैच कोलंबो जबकि अंतिम पालेकेले में खेला जाएगा। वहीं दूसरी ओर बांग्लादेश करे ग्रुप सी में रखा गया है। जिसमें इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, नेपाल और इटली की टीमें शामिल हैं। बांग्लादेश को कोलकाता में तीन और मुंबई में एक मैच खेलना है।

बीसीबी ने आईसीसी से अनुरोध किया कि उसकी टीम को ग्रुप सी में आयरलैंड के साथ बदल दिया जाए जिससे वह भारत की जगह श्रीलंका में अपने मैच खेल सके। वहीं आईसीसी की दो सदस्यीय टीम, जिसमें गौरव सक्सेना (जनरल मैनेजर, इवेंट्स एंड कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन) और एंड्रयू एफग्रेव (जनरल मैनेजर, इंटीग्रिटी यूनिट) शामिल थे, ने बीसीसी को मूल कार्यक्रम में ही बने रहने को लेकर समझाया।

बीसीसीआई ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए महिला क्रिकेट टीम घोषित की

फुलमाली, श्रेयंका की वापसी, कमलिनी और वैष्णवी पहली बार शामिल

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अगले माह होने वाली टी20 और एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम की घोषणा कर दी है। 15 फरवरी से होने वाले इस दौरे में भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया में 3 टी20 और इतने ही एकदिवसीय मैच खेलेगी। इसके अलावा दौनो ही टीमें एक टेस्ट भी खेलेंगी। टेस्ट टीम की घोषणा अभी नहीं हुई है। इस दौरे से दोनो ही टीमों का टी20 विश्वकप की तैयारी का भी अच्छा अनुभव मिलेगा। इस दौरे में नये खिलाड़ियों को भी जगह मिली है। टी20 टीम में भर्ती फुलमाली की वापसी है हुई है। फुलमाली को साल 2019 के बाद पहली बार राष्ट्रीय टीम में शामिल किय गयाहै। इसके अलावा युवा ऑफ-स्पिनर श्रेयांका पाटिल को भी टीम में जगह मिली है। वहीं एकदिवसीय दल में भी युवाओं को अवसर मिले है। 17 साल की विकेटकीपर जी कमलिनी और स्पिनर वैष्णवी शर्मा को पहली बार टीम में जगह मिली है। इसके अलावा काशवी गौतम को भी शामिल किया गया है पर अरुंधति रेड्डी को एकदिवसीय व रधा यादव को एकदिवसीय के अलावा टी20 प्रारुप में भी शामिल नहीं किया गया है। हरलीन देओल को एकदिवसीय टीम में बनाये रखा गया है पर उन्हें टी20 से बाहर कर दिया गया है।

टी20 टीम इस प्रकार है

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शैफाली वर्मा, रेणुका ठाकुर, श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा, क्रांति गौड़, स्नेह राणा, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी कमलिनी (विकेटकीपर), अरुंधति रेड्डी, अमनजोत कौर, जेमिमा रोड्रिग्स, भर्ती फुलमाली, श्रेयांका पाटिल।

एकदिवसीय

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शैफाली वर्मा, रेणुका ठाकुर, श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा, क्रांति गौड़, स्नेह राणा, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी कमलिनी (विकेटकीपर), काशवी गौतम, अमनजोत कौर, जेमिमा रोड्रिग्स, हरलीन देओल।

अब अगले छह बाद ही खेलते दिखेंगे विराट और रोहित

राजकोट ।भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली अब अगले छह महीने बाद ही अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलते हुए दिखेंगे ।इसका कारण ये है कि ये दोनो ही अब केवल एकदिवसीय में ही खेलते है ।वहीं भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के छह माह बाद ही एकदिवसीय प्रारुप में खेलने उतरेगी ।साल 2026 टी20 विश्व कप और 2026 इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बाद ही भारतीय टीम को अब एकदिवसीय सीरीज खेलनी है ।तब तक के लिए विराट और रोहित को भी आराम मिल गया है ।अब जून में अफगानिस्तान की टीम तील एकदिवसीय मैचों की सीरीज के लिए भारत दौरे पर पहुंचेगी ।तभी विराट और रोहित के पास मैदान में उतरने का अवसर रहेगा हालांकि ये भी देखना होगा कि इन दोनो को इस सीरीज के लिए शामिल किया जाता है या नहीं ।वहीं अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज के बाद भारतीय टीम जुलाई में इंग्लैंड दौरे पर जाएगी ।यहां भी 3 मैचों की एकदिवसीय सीरीज होनी है ।इसके बाद भारतीय टीम को सितंबर में बांग्लादेश जाना है हालांकि दोनो देशों के बीच तनावपूर्ण हालातों को देखते हुए ये दौरा शायद ही हो पाये ।सितंबर में ही भारतीय टीम वेस्टइंडीज का दौरा करेगी जहां 3 मैचों एकदिवसीय सीरीज होगी ।इसके बाद अक्टूबर–नवंबर में भारतीय टीम को न्यूजीलैंड जाना है ।

आर्यना सबालेंका ने फेडरर और रॉड लेवर के साथ 'परफेक्ट' सेल्फी ली

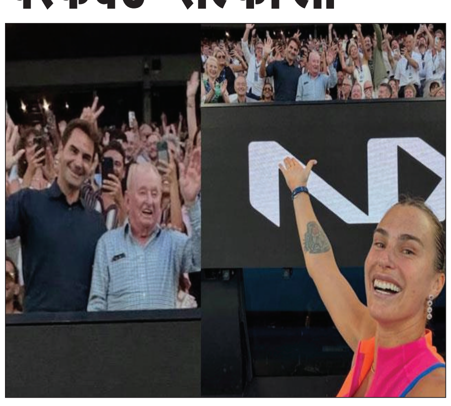

मेलबर्न ।अपने 2026 ऑस्ट्रेलियन ओपन कैंपेन की शुरुआत करने के लिए आर्यना सबालेंका ने वेन्यू पर टिएंट्सोआ राकोतोमंगा राजाओना पर 6–4, 6–1 से जीत के लिए दो बहुत खास मेहमानों को बुलाया था।वे मेहमान 20 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन रोजर फेडरर और खुद रॉड लेवर। सबालेंका जानती थीं कि उन्हें उस ऑस्ट्रेलियन लेजेंड और 11 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन के सामने एक मजबूत परफॉर्मेंस देनी होगी, जिनके नाम पर उस कोर्ट का नाम रखा गया है ।उन्हें यह भी पक्का पता था कि वे मौजूद हैं, क्योंकि उन्हें वीडियो स्क्रीन पर हाइलाइट किया गया था और वे फ्रंट रो में भी बैठे थे। सबालेंका ने मुस्कुराते हुए रिपोर्टर्स से कहा, 'मैं बहुत बड़ी फैन हूं। पूरे मैच में मैं खुद से कह रही थी' प्लीज़, वहां मत देखो। मत देखो।'यह अविश्वसनीय है, मैंने कभी नहीं सोचा था कि रोजर फेडरर और रॉड लेवर मेरे मैच की पहली रो में बैठेंगे। यह अविश्वसनीय है। 'मैं बस अपने गेम से रोजर को इम्प्रेस करना चाहती थी। मैं बस ट्वीनर नहीं कर पाई, लेकिन कोई बात नहीं। अगली बार।' कोर्ट पर मैच के बाद अपने इंटरव्यू में, सबालेंका ने एक आसान सी रिक्वेस्ट की : 'मैं बहुत बड़ी फैन हूं दोस्तों, क्या मैं आपके साथ एक फोटो ले सकती हूं प्लीज।' सबालेंका अपना एक्साइटमेंट छिपा नहीं सकीं। उन लीजेंड्स ने उनकी बात मान ली और वर्ल्ड नंबर 1 को परफेक्ट फोटो मिल गई।

इंडिया ओपन में मैच के दौरान गिरा मलबा, बाल-बाल बची महिला खिलाड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले जा रहे इंडिया ओपन सुपर 750 में महिलाओं के युगल सेमीफाइनल के दौरान कोर्ट नंबर 1 पर मलबा गिरने के बाद खेल को कुछ समय के लिए रोक दिया गया। इसके बाद इस स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की जांच की जा रही है।

यह घटना शनिवार को टॉप सीडेड चीनी जोड़ी लियू शेंगशु और टैन निंग और छठी सीडेड दक्षिण कोरियाई जोड़ी बेक हा ना और ली सो ही के बीच सेमीफाइनल के दौरान हुई। जब लियू पहले गेम में 6-3 पर सर्व करने की तैयारी कर रही थीं, तो ऊपर से मलबा खेलने की सतह पर गिर गया जिससे तुरंत खेल रोकना पड़ा। लियू ने अविश्वास के साथ मुस्कुराते हुए चेयर अंपायर की ओर इशारा किया जबकि चिंतित दोनों जोड़ियां कोर्ट से बाहर चली गईं।

चेयर अंपायर ने सफाईकर्मियों को बुलाया और खेल फिर से शुरू होने से पहले सफाई में कई मिनट लगे। इस घटना ने

टूर्नामेंट स्थल की जांच को और तेज कर दिया है, क्योंकि पहले से ही खिलाड़ियों ने परिसर में स्वच्छता और समग्र बुनियादी ढांचे को लेकर आलोचना की जा रही है।

सप्ताह की शुरुआत में कई एथलीटों ने कोर्ट पर पक्षियों की बीट, गैर-खेल क्षेत्रों में गंदगी और स्टेडियम परिसर के अंदर आवारा जानवरों की उपस्थिति के बारे में चिंता जताई थी। कथित तौर पर दर्शक दीर्घाओं में बंदर भी देखे गए जिससे सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ गईं। हवा की गुणवत्ता एक और प्रमुख चर्चा का विषय रही है, कुछ खिलाड़ियों को दिल्ली की सर्दियों की धुंध और ठंडी परिस्थितियों से जूझना पड़ा।

डेनमार्क की मिया ब्लिचफेल्ट उन लोगों में से थीं जिन्होंने असुविधा व्यक्त की, प्रदूषण और निम्न-मानक परिवेश के संयोजन को प्रदर्शन और रिकवरी को प्रभावित करने वाले कारकों के रूप में बताया। बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (BWF) ने बाद में फीडबैक को स्वीकार किया जिसमें कहा गया कि धुंध और ठंड जैसे मौसमी कारक चुनौतियां पेश करते हैं लेकिन इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स परिसर पिछले केडी जाधव स्टेडियम की तुलना में एक महत्वपूर्ण अपग्रेड था।

BWF ने यह भी कहा है कि बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (BAI) ने मुद्दों को उठाए जाने के बाद सफाई, स्वच्छता और पशु नियंत्रण में सुधार सहित सुधारात्मक उपाय किए हैं। आश्वासनों के बावजूद शनिवार की घटना ने भारत के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन आयोजनों में से एक में तैयारियों और मानकों पर नए सवाल खड़े कर दिए हैं, विशेषकर जब नई दिल्ली इस साल के आखिर में बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी करने वाला है।

डोमिनेंट वेदांता कलिंगा लांसर्स ने एसजी पाइपर्स को 6–1 से हराया

भुवनेश्वर ।वेदांता कलिंगा लांसर्स ने शनिवार को एसजी पाइपर्स पर 6–1 की शानदार जीत के साथ पुरुष हीरो हॉकी इंडिया लीग (HIL) के भुवनेश्वर लेग की शुरुआत की। आज यहां कलिंगा हॉकी स्टेडियम में खेलते हुए, लांसर्स ने अपनी जीत का सिलसिला पांच मैचों तक बढ़ा दिया, जिससे यह साबित हो गया कि इस सीजन में उन्हें हराना मुश्किल है। बॉबी सिंह धामी को शानदार प्रदर्शन के लिए के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, जिसने पूरी शाम पाइपर्स के डिफेंस को बैकफुट पर रखा। मैच में कूपर बर्न्स ने (आठवें', 23वें) और अलेक्जेंडर हेंड्रिक्स ने (39वें, 56वें) मिनट में दो–दो गोल किए, जबकि क्रेग माराइस ने (10वें) और अंगद सिंह ने (54वें) मिनट में एक–एक गोल करके जीत को पक्का किया। केवाई विलियट ने पाइपर्स के लिए एकमात्र गोल किया। मैच की शुरुआत में लांसर्स ने गेंद पर कंट्रोल रखा और आत्मविश्वास के साथ गेंद को आगे बढ़ाया। यह दबाव 8वें मिनट में रंग लाया जब कूपर बर्न्स ने गोल करके अपनी टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई। सिर्फ दो मिनट बाद, एक शानदार पासिंग सीक्वेंस ने क्रेग माराइस को बढ़त को दोगुना करने का मौका दिया। हालांकि, पाइपर्स ने लगभग तुरंत जवाब दिया। 11वें मिनट में, कप्तान जरमनप्रीत सिंह ने केवाई विलियट को पास दिया, जिन्होंने शानदार फिनिश करके स्कोर 2–1 कर दिया। पाइपर्स को देर से एक पेनल्टी कॉर्नर मिलने के बावजूद, लांसर्स का डिफेंस मजबूत बना रहा और पहले क्वार्टर के अंत में बढ़त बनाए रखी।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत रहेगा मजबूत दावेदार : दिनेश कार्तिक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व विकेटकीपर दिनेश कार्तिक का मानना है कि डिफेंडिंग चैंपियन भारत आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 में एक बार फिर मजबूत दावेदार के रूप में उतरेगा। टीम की गहराई, आक्रामक खेलने की शैली और घरेलू परिस्थितियों में शानदार रिकॉर्ड को इसकी सबसे बड़ी ताकत बताते हुए कार्तिक ने कहा कि भारत को अपने घर में हराना किसी भी टीम के लिए आसान नहीं होगा। टूर्नामेंट शुरू होने में एक महीने से भी कम समय बचा है और यह प्रतियोगिता 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका में खेली जाएगी।

एक चैनल से बातचीत में दिनेश कार्तिक ने कहा कि भारतीय क्रिकेट की सबसे बड़ी विशेषता उसकी बेंच स्ट्रेंथ है। उनके मुताबिक भारत ऐसी स्थिति में है कि वह लगभग दो मजबूत टीमें उतार सकता है। कार्तिक ने यह भी कहा कि मौजूदा भारतीय टीम काफी हद तक नई है, जिसमें रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे अनुभवी खिलाड़ी शामिल नहीं हैं, लेकिन सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में युवा टीम ने बेहद आक्रामक और प्रभावशाली क्रिकेट खेला है। वहीं पूर्व वेस्टइंडीज क्रिकेटर इयान बिशप ने भी भारत की तैयारियों की सराहना करते हुए कहा कि डिफेंडिंग चैंपियन होना अपने आप में दबाव जरूर लाता है, लेकिन अगर तैयारी सही हो तो यह एक बड़ा फायदा बन सकता है। बिशप के अनुसार, इतिहास हमेशा निर्णायक नहीं होता, लेकिन भारत ने पिछले वर्ल्ड कप के बाद जिस तरह की तैयारी की है, उससे उसे बढ़त जरूर मिलेगी। उन्होंने यह भी चेताया कि फरवरी-मार्च के दौरान भारत और श्रीलंका में ओस एक बड़ा फैक्टर साबित हो सकती है, जो मैच का रुख बदलने में अहम भूमिका निभाती है।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने टी20 क्रिकेट की लोकप्रियता पर बात करते हुए कहा कि यह फॉर्मेट दुनिया भर में तेजी से पसंद किया जा रहा है। उनके अनुसार, टी20 वर्ल्ड कप सिर्फ एक टूर्नामेंट नहीं बल्कि एक बड़ा मंच है, जहां दबाव में प्रदर्शन करके खिलाड़ी खुद को वैश्विक स्तर पर साबित करते हैं। ग्रुप ए में भारत को पाकिस्तान, यूएसए, नीदरलैंड और नामीबिया के साथ रखा गया है। भारत 7 फरवरी को वानखेड़े स्टेडियम में यूएसए के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा, जबकि पाकिस्तान से उसका बहुप्रतीक्षित मुकाबला 15 फरवरी को कोलंबो में खेला जाएगा।

तीसरे एकदिवसीय के लिए बेहद महंगा वाटरप्यूरीफायर लेकर इंदौर आये हैं शुभमन

इंदौर ।भारत और न्यूजीलैंड के बीच आज यह यहां के होल्कर क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले तीसरे व अंतिम एकदिवसीय मैच के लिए प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह है। दोनो ही टीमें इस मैच के लिए पूरी तरह से तैयार हैं ।सीरीज में दोनो ही टीमें 1–1 से बराबरी पर होने के कारण इस मैच में कड़े मुकाबले की संभवना है। इस बार मैच में खेल से अधिक खिलाड़ी पानी को लेकर सावधानी बरत रहे हैं क्योंकि हाल में यहां कई लोगों की खराब पानी पीने से मौत हुई है। इसी को देखते हुए भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल एक महंगा वॉटर प्यूरीफायर लेकर पहुंचे ।इसकी खासियत ये है कि ये सादे पानी को ही नहीं, बल्कि आरओ और पैकेज्ड वॉटर को भी पूरी तरह से साफ बना देता है जिससे किसी प्रकार के संक्रमण का खतरा नहीं रहता हालाकि भारती टीम इंडिया जिस शहर में रुकती है वह शीर्ष स्तर का होता है ।शुभमन इसके बाद भी कोई जोखिम लेकर नहीं लेना चाहते हैं। भारतीय टीम के साथ हमेशा एक रसोईया भी रहता है, जो अलग–अलग खिलाड़ियों की डाइट के अनुसार खाना तैयार करता है ।खिलाड़ियों को अच्छी डाइट उनके अच्छी फिटनेस के लिए मिले, इसके लिए बीसीसीआई हर मैच के लिए एक रसोईया भेजती है, जो होटल में ही रहकर खिलाड़ियों के लिए खाना तैयार करते हैं ।इससे साफ होता है कि जितने खिलाड़ी अपनी सेहत को लेकर सजग रहते हैं, उतना ही भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई) भी खिलाड़ियों का सहयोग करती है ।

भारत का फीफा विश्व कप खेलने का सपना अब भी जीवंत है: अनुभवी डिफेंडर आशालता देवी

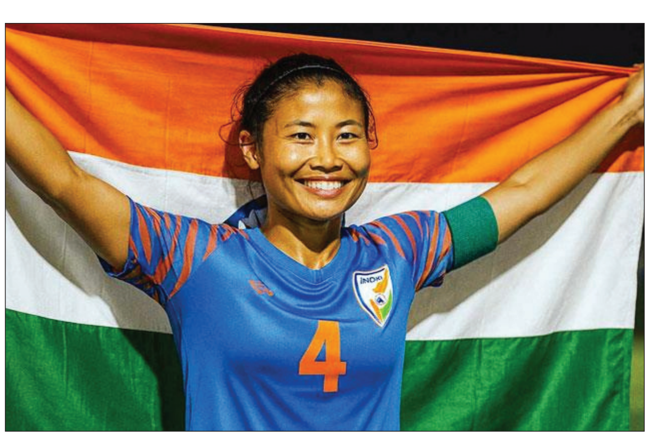

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला फुटबॉल की दिग्गज खिलाड़ी आशालता देवी का कहना है कि फीफा महिला विश्व कप में देश को खेलते हुए देखने का सपना अब भी जीवंत है, लेकिन इसके साथ ही उन्होंने कहा कि विश्व के शीर्ष खिलाड़ियों के साथ अंतर को पाटने के लिए जमीनी स्तर पर निरंतर प्रगति महत्वपूर्ण है।

आशालता ने पीटीआई वीडियो से कहा, 'विश्व कप में खेलने का हमारा सपना अभी भी जीवित है। हमें इस समय और भी ज्यादा मेहनत करनी होगी।' इस अनुभवी डिफेंडर ने कहा कि तीनों राष्ट्रीय टीमें अंडर-17, अंडर-19 और सीनियर टीम एएफसी एशियाई चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई कर चुकी हैं, जिससे 2026 भारत में महिला फुटबॉल के लिए एक निर्णायक वर्ष साबित हो सकता है।

उन्होंने कहा, 'अंडर-17, अंडर-19 और सीनियर टीम पहले ही एएफसी (प्रतियोगिताओं) के लिए क्वालीफाई कर चुकी हैं। अगर हम वहां अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो जाहिर है कि विश्व कप का हमारा सपना पूरा हो सकता है। हमारा यह सपना अभी भी जीवित है।' भारत की तरफ से 100 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली आशालता ने कहा कि सीनियर टीम लगातार अच्छी प्रगति कर रही है लेकिन अभी वह विश्वस्तरीय मानकों से काफी पीछे है। उन्होंने कहा, ''हम लंबे समय से बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन फिर भी विश्वस्तरीय मानकों तक नहीं पहुंचे हैं। मुझे खिलाड़ियों पर पूरा भरोसा है। मुझे पूरी उम्मीद है कि इस बार हम विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने में सफल रहेंगे।'

आशालता ने कहा कि खेल की जमीनी स्तर पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'समस्या यह है कि हम बुनियादी बातों को छोड़ देते हैं और सीधे तकनीकी पहलुओं पर चले जाते हैं। मैंने 13 साल की उम्र में फुटबॉल खेलना शुरू किया था। अब कई खिलाड़ी 10 या 11 साल की उम्र में शुरू करते हैं। लेकिन अगर हम 5-6 साल की उम्र में शुरू करें तो खेल की बारीकियां अच्छी तरह से सीख सकते हैं।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

ईरान में प्रदर्शनकारियों को पुलिस का अल्टीमेटम

तेहरान, एजेंसी। ईरान में जारी विरोध-प्रदर्शनों को लेकर पुलिस ने सख्त चेतावनी दी है। सोमवार को देश के राष्ट्रीय पुलिस प्रमुख अहमद-रेजा रादन ने कहा है कि जिन लोगों ने दंगों में हिस्सा लिया है, वे 72 घंटे के भीतर सरेंडर कर दें। ऐसा नहीं करने पर उनके खिलाफ 'कानून की पूरी ताकत' के साथ कार्रवाई की जाएगी। यह जानकारी समाचार एजेंसी, सक्रने दी है। रादन ने कहा, जो युवा अनजाने में दंगों में शामिल हो गए, उन्हें दुश्मन नहीं माना जाएगा। अगर वे तय समय के भीतर सरेंडर करते हैं, तो उनके साथ नरमी बरती जाएगी। ईरान में 28 दिसंबर से जारी हिंसक प्रदर्शन में अब तक 5,000 लोगों की मौत हो गई है। इनमें करीब 500 सुरक्षाकर्मी शामिल हैं। एक ईरानी अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर रॉयटर्स को यह जानकारी दी है। ईरानी अधिकारियों का कहना है कि प्रदर्शन शुरू में शांतिपूर्ण थे, लेकिन बाद में हिंसा में बदल गए। सरकार का आरोप है कि इसमें अमेरिका और इजराइल जैसे विदेशी दुश्मनों की भूमिका रही है।

कराची के शॉपिंग मॉल की आग में मौतों की संख्या 14 तक पहुंची

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान के कराची में गुल प्लाजा मॉल में आग लगने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 14 हो गई है। बचाव दल ने मलबे से आठ और शव बरामद किए। यह आग शनिवार रात मॉल के बेसमेंट, मीडियानिन और तीन अन्य मंजिलों में लगी थी। आग को रविवार रात तक काबू में कर लिया गया। आग लगने के बाद तुरंत छह लोगों की मौत हो गई थी। गुल प्लाजा में लगभग 1200 दुकानें थीं और यह मॉल 1980 के दशक से कराची का प्रमुख मार्केट रहा है। आग लगने के कारणों में शॉर्ट सर्किट की संभावना जताई गई है, लेकिन जांच जारी है। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि मलबे और कमजोर इमारत संरचना के कारण नुकसान और बढ़ सकता है। सिंध गवर्नर कमरान टेस्सोरी ने कहा कि 70 लोग अभी भी मलबे में फंसे हो सकते हैं। यह घटना कराची के इतिहास की बड़ी राष्ट्रीय त्रासदियों में से एक है।

प्रिंस हैरी फिर कोर्ट में, ब्रिटिश टैब्लॉइड्स से संघर्ष जारी

लंदन, एजेंसी। ससेक्स के ड्यूक प्रिंस हैरी इस सप्ताह फिर कोर्ट लौट रहे हैं, जहां उनका ब्रिटिश टैब्लॉइड्स के खिलाफ कानूनी संघर्ष का तीसरा और अंतिम चरण शुरू होगा। हैरी इस मामले में प्रमुख वादी हैं, जिसमें कई मशहूर लोग जैसे एल्टन जॉन, अभिनेता एलिजाबेथ हर्ले और सैडी फ्रॉस्ट भी शामिल हैं। इन वादियों का आरोप है कि डेली मेल के प्रकाशक ने निजी जासूसों को काम पर रखा, जिन्होंने उनके कारों में छेड़छाड़ की, निजी रिकॉर्ड देखे और फोन कॉल्स को टेप किया, ताकि सनसनीखेज खबरें बनाई जा सकें। प्रकाशक ने इन आरोपों को गलत और अविश्वसनीय बताया है। लंदन की हाई कोर्ट में यह मुकदमा लगभग नौ हफ्तों तक चलेगा। 2023 में प्रिंस हैरी ने शताब्दियों में पहली बार रॉयल परिवार के वरिष्ठ सदस्य के रूप में गवाह के तौर पर बयान दिया था। इस मुकदमे में वह दूसरी बार गवाही देंगे।

ड्रोन हमले से अंधेरे में दक्षिणी यूक्रेन के 2 लाख लोग

कीव, एजेंसी। ड्रोन हमले के कारण रूस के कब्जे वाले दक्षिणी यूक्रेन के दो लाख लोगों को रविवार की रात अंधेरे में गुजारनी पड़ी। इस बीच रूस ने यूक्रेन के ऊर्जा प्रतिष्ठानों को निशाना बनाना जारी रखा है। रूसी हमले में दो लोगों की मौत भी हो गई। क्रेमलिन की तरफ से नियुक्त स्थानीय गवर्नर के अनुसार, यूक्रेन के दक्षिणी जापोरिज्जिया इलाके के रूस के कब्जे वाले हिस्से में चार लाख से ज्यादा घरों की बिजली गुल हो गई।

वकील की मौत में हिंदू संत चिन्मय दास समेत 39 पर आरोप तय, अदालत ने मुकदमा चलाने का दिया आदेश

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की एक अदालत ने सोमवार को दक्षिण-पूर्वी बंदरगाह शहर चट्टोग्राम में नवंबर 2024 में एक वकील की मौत के मामले में हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास और 38 अन्य लोगों के खिलाफ आरोप तय कर दिए। चिन्मय दास बांग्लादेश सम्मिलित सनातनी जागरण जोत के प्रवक्ता हैं। वह पहले इस्कॉन से जुड़े रहे हैं। उन्हें 25 नवंबर 2024 को ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तार किए जाने के बाद में चट्टोग्राम की अदालत ने उन्हें जमानत देने से इनकार कर जेल भेज दिया था। दास की गिरफ्तारी के विरोध में अगले दिन ढाका और अन्य जगहों पर प्रदर्शन हुए। 26 नवंबर, 2024 को चट्टोग्राम में यह प्रदर्शन हिंसक हो गया, जिसमें जूनियर सरकारी वकील सैफुल इस्लाम आलिफ की मौत हो गई थी। सोमवार को चट्टोग्राम डिविजनल स्पीडी ट्रायल ट्रिब्यूनल के जज जाहिदुल हक ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद आरोप तय किए।

अमेरिका में भीषण बर्फीला तूफान, मिशिगन में इंटरस्टेट हाईवे पर 100 से ज्यादा वाहन टकराए

मिशिगन, एजेंसी। अमेरिका के मिशिगन राज्य में ग्रेट लेक्स क्षेत्र से आए भीषण बर्फीले तूफान ने भारी तबाही मचाई। सोमवार सुबह इंटरस्टेट-196 पर करीब 100 से अधिक वाहन आपस में टकरा गए या सड़क से फिसलकर बाहर चले गए। यह हादसा ग्रैंड रैपिड्स के पास हडसनविल इलाके में हुआ।

कई घायल, मौत की पुष्टि नहीं : राज्य पुलिस के अनुसार, इस दुर्घटना में कई लोग घायल हुए हैं, हालांकि राहत की बात यह रही कि अब तक किसी की मौत की सूचना नहीं मिली है। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। ओटावा काउंटी शेरिफ कार्यालय ने बताया कि सड़क पर कई वाहन फिसलकर पलट गए और कई ट्रक जैक-नाइफ स्थिति में फंस गए। हाईवे पर फंसे यात्रियों को बसों के जरिए हडसनविल हाई स्कूल पहुंचाया गया, जहां वे अपने परिजनों से संपर्क कर सके या वैकल्पिक यात्रा की व्यवस्था कर पाए।

हाईवे पूरी तरह बंद : इस बड़े हादसे के बाद मिशिगन स्टेट पुलिस ने सुरक्षा कारणों से इंटरस्टेट-196 को दोनों दिशाओं में बंद कर दिया। राहत और बचाव कार्य में जुटी टीमों को सड़क से वाहनों को हटाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। हादसे में 30 से ज्यादा सेमी-ट्रेलर ट्रक भी शामिल थे। अधिकारियों का कहना है कि सफाई कार्य के चलते इंटरस्टेट-196 को कई घंटों तक बंद रखा जा सकता है।

प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि खराब मौसम में अनावश्यक यात्रा से बचें।

पूरे देश में असर : यह हादसा उस बड़े शीतकालीन तूफान का हिस्सा है, जो पूरे अमेरिका में फैल रहा है। नेशनल वेदर सर्विस ने उत्तरी मिनेसोटा से लेकर विस्कॉन्सिन, इंडियाना, ओहायो, पेंसिल्वेनिया और न्यूयॉर्क तक कड़ाके की ठंड और बर्फबारी की चेतावनी जारी की है। एक दिन पहले बर्फबारी फ्लोरिडा पैनहैंडल तक पहुंच गई थी, जबकि मैसाचुसेट्स और शिकागो में फुटबॉल प्लेऑफ मैचों के दौरान खिलाड़ियों को गेंद पकड़ने में भी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। मौसम विभाग ने यह भी चेतावनी दी है कि उत्तर-मध्य फ्लोरिडा और दक्षिण-पूर्व जॉर्जिया में मंगलवार तक अत्यधिक ठंड पड़ सकती है।

सड़क पर गाड़ियां मुश्किल से दिखीं : फॉक्स न्यूज से बात करते हुए लोगों ने बताया कि बर्फीली हवा के चलते आगे चल रही गाड़ियां भी मुश्किल से दिख रही थीं। एक पिकअप ड्राइवर ने बताया कहा कि वह 20 से 25 मील प्रति घंटे की रफ्तार से गाड़ी चला रहे थे और किसी तरह अपना वाहन ट्रक रोक पाए। उन्होंने कहा पीछे से लगातार टकराने की आवाजें आ रही थीं। आगे तो दिख रहा था, लेकिन पीछे क्या हो रहा है, यह साफ नजर नहीं आ रहा था। हालात काफी डरावने थे।

सैकड़ों लोग फंसे, स्कूल में ठहराया गया : मिशिगन के ओटावा काउंटी शेरिफ ऑफिस ने बताया कि इलाके में कई जगह दुर्घटनाएं हुईं और कई ट्रक जैकनाइफ हो गए। कई कारें सड़क से फिसलकर बाहर चली गईं। फंसे हुए यात्रियों को बसों के जरिए हडसनविल हाई स्कूल ले जाया गया, जहां वे मदद के लिए कॉल कर सके या अपने घर जाने की व्यवस्था कर सके।

अधिकारियों का कहना है कि सफाई और वाहनों को हटाने का काम पूरा होने तक सड़क कई घंटों तक बंद रह सकती है। प्रशासन ने चेतावनी दी कि क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाने और जमी हुई सड़क का ट्रीटमेंट करने में कई घंटे लग सकते हैं, इस दौरान इंटरस्टेट-196 बंद रहेगी।

अमेरिका में कई राज्यों में बर्फीले तूफान का असर : अमेरिका के कई राज्य इन दिनों बर्फीले तूफान का सामना कर रहे हैं। नेशनल वेदर सर्विस ने चेतावनी जारी की है कि उत्तरी मिनेसोटा से लेकर विस्कॉन्सिन, इंडियाना, ओहायो, पेंसिल्वेनिया और न्यूयॉर्क तक बेहद ठंडा मौसम या बर्फीले तूफान की स्थिति बन सकती है। मौसम विभाग ने यह भी चेतावनी दी है कि सोमवार रात से मंगलवार सुबह तक नॉर्थ-सेंट्रल फ्लोरिडा और साउथईस्ट जॉर्जिया में तापमान जीरो डिग्री तक गिर सकता है।

नेपाल: जनकपुर में बालेन शाह की हुंकार, बोले-भाषण नहीं काम करके दिखाऊंगा

जनकपुर, एजेंसी। काठमांडो के पूर्व मेयर और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) की ओर से पीएम पद के उम्मीदवार बालेन्द्र शाह बालेन ने जनकपुरधाम में एक विशाल चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान बालेन ने कहा कि वे केवल भाषण देने वाले नेता नहीं, बल्कि धरातल पर काम करने वाले व्यक्ति हैं। उन्होंने काठमांडो के कार्यों का उदाहरण देते हुए जनता से काम का अवसर मांगा। अपने संबोधन मं बालेन ने कहा कि अयोध्या में प्रतिवर्ष 10 करोड़ पर्यटक पहुंचते हैं, वहीं जनकपुर की जानकी माता में महज 1 करोड़ पर्यटक ही आते हैं। विश्व प्रसिद्ध राम-जानकी विवाह स्थल होने के बावजूद लोग डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए जयपुर-बाली जाते हैं, क्योंकि सरकार ने मिथिला को आकर्षक नहीं बनाया।

प्रदेशों को व्यापक स्तर पर सशक्त बनाने की बात : संघीयता पर बोलते हुए बालेन ने कहा कि आरएसपी प्रदेशों को इतना सशक्त बनाना चाहती है कि उन्हें अधिकारों के लिए काठमांडो न जाना पड़े। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जनता को काठमांडो केवल पशुपतिनाथ के दर्शन के लिए जाना चाहिए, प्रशासनिक तबादलों जैसे छोटे कामों के लिए नहीं। बालेन ने स्वीकार किया कि मेयर रहते हुए कई बार वे गन्ना किसान और मीटर ब्याज पीड़ितों के आंदोलनों में कानूनन मजबूर थे, फिर भी उन्होंने 35 पालिकाओं तक एम्बुलेंस पहुंचाई।

बालेन शाह ने मेयर पद से दिया इस्तीफा : काठमांडू महानगरपालिका के मेयर बालेन शाह ने 5 मार्च को होने वाले चुनाव लड़ने के लिए अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी ने उन्हें प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया है। बालेन झापा-5 सीट से चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं, जहां उनका मुकाबला केपी शर्मा ओली से माना जा रहा है। इस कदम के बाद नेपाल की सियासत में नई हलचल तेज हो गई है। बता दें, नेपाल में हुई क्रांति का ये मुख्य चेहरा थे।

नेपाल की राजनीति में नई पीढ़ी की एंट्री : एक समय रैपर के रूप में पहचान बनाने वाले बालेन शाह ने 2022 में काठमांडू मेयर का चुनाव जीतकर राजनीति में नई सोच का संकेत दिया था। अब उनका प्रधानमंत्री पद का दावेदार बनना नेपाल की राजनीति में पीढ़ीगत बदलाव के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। झापा-5 की चुनावी जंग को इस बार बेहद रोचक और निर्णायक माना जा रहा है।

अफगानिस्तान के काबुल शहर के एक होटल में धमाका, कई लोगों के मारे जाने की संभावना

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां अफगानिस्तान की राजधानी काबुल के शहर-ए-नवा इलाके में सोमवार को एक होटल में भीषण बम धमाका हुआ। सूत्रों के अनुसार, इस हमले में विशेष रूप से चीनी नागरिकों को निशाना बनाया गया। धमाके में सात लोगों के मारे जाने की खबर है। विस्फोट से दर्जन भर लोग घायल भी हुए हैं। मामले में एक एनजीओ ने बताया कि उनके सर्जिकल केंद्र में 20 घायलों को लाया गया, जिनमें से 7 लोग अस्पताल पहुंचने से पहले ही दम तोड़ चुके थे।

अधिकारियों ने कहा कि धमाके के बाद मौके पर राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है। वहीं घायल लोगों को निकटस्थ अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। वहीं इस घटना के कारण इलाके में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है और जांच शुरू कर दी गई है। बता दें कि घायलों में चार महिलाएं और एक बच्चा भी शामिल है। चीनी मीडिया के अनुसार, इस हमले में दो चीनी नागरिक गंभीर रूप से घायल हुए हैं और एक सुरक्षा गार्ड की मौत हो गई है। काबुल सुरक्षा कमान के प्रवक्ता खालिद जादरान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर घटना की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि धमाका शहर के चौथे जिले की फ्लावर स्ट्रीट स्थित एक होटल में हुआ। सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी कर दी है और धमाके की प्रकृति की जांच की जा रही है। फिलहाल किसी भी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। धमाके के सटीक कारण को लेकर जांच जारी अफगानिस्तान के इंटीरियर मिनिस्ट्री के प्रवक्ता अब्दुल मतीन कानी ने कहा कि धमाके के कारण मौतें और चोटें हुई हैं। दूसरी ओर धमाके के सटीक वजह की अभी जांच की जा रही है। वहीं अफगानिस्तान के स्थानीय टीवी चैनल की फुटेज में देखा गया कि सड़क पर लोग दौड़ रहे थे और पीछे धुआं और धूल उठ रही थी। अभी तक धमाके में हुए मारे गए और घायल लोगों का विवरण नहीं मिला है।

आसिम मुनीर बोले-पाकिस्तान बनने का मकसद पूरा होने वाला है

इस्लामी देशों के बीच इसका खास दर्जा, इसकी अहमियत अब और बढ़ेगी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिम मुनीर ने दावा किया कि इस्लाम के नाम पर बने पाकिस्तान का असली मकसद पूरा होने वाला है। उन्होंने ये बात रविवार को लाहौर में पाकिस्तानी अखबार द न्यूज इंटरनेशनल से कही। आसिम मुनीर यहां पूर्व पीएम शहबाज शरीफ के नाती जुनैद सफदर के वलीमा (रिसेप्शन) में शामिल होने आए थे। इसमें प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, नवाज शरीफ, मरियम नवाज, कई सीनियर नेता, मंत्री और सैन्य अधिकारी मौजूद थे। इस बातचीत में आसिम मुनीर ने कहा कि अल्लाह ने पाकिस्तान को एक ऐतिहासिक मौका दिया है, ताकि वो अपने बनने का मकसद हासिल कर सके और देश तेजी से उसी तरफ बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान इस्लाम के नाम पर बना था और आज उसे इस्लामिक देशों के बीच एक खास

दर्जा हासिल है। अब इसकी अहमियत और ज्यादा बढ़ेगी।

मुनीर बोले- पाकिस्तान की हालात में बहुत सुधार हुआ : आसिम मुनीर ने दावा किया कि दुनिया में पाकिस्तान की स्थिति और उसकी आर्थिक हालत में काफी सुधार हुआ है। जब उनसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिल रही पहचान को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि अगर उन्हें व्यक्तिगत रूप से कोई सराहना मिल रही है, तो वह भी अल्लाह की मेहरबानी है। उन्होंने कहा कि असल में यह पाकिस्तान को मिली पहचान है, किसी एक इंसान को नहीं। उनके इस बयान को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से हुई मुलाकातों से भी जोड़कर देखा जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आसिम मुनीर और शहबाज शरीफ ने ट्रम्प को पाकिस्तान में दुर्लभ खनिजों और कच्चे तेल के रिसोर्स का भरोसा भी दिलाया, जिनकी कोई पुख्ता जानकारी नहीं है।

आसिम मुनीर लगातार कट्टरपंथी बयान देते रहे हैं : आसिम मुनीर ने अप्रैल 2025 में इस्लामाबाद में हुए ओवरसीज पाकिस्तानियों के सम्मेलन में कहा था कि टू नेशन थ्योरी ही पाकिस्तान की बुनियाद है। उन्होंने कहा था कि मुसलमानों और हिंदुओं के बीच बुनियादी फर्क है और दोनों एक नहीं, बल्कि अलग-अलग राष्ट्र हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान की नींव कलमा पर टिकी है और इस सोच को आगे आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना जरूरी है। आसिम मुनीर अपने भाषणों में इस्लामिक विचारधारा, टू नेशन थ्योरी और भारत के खिलाफ बयानबाजी पर जोर देते रहे हैं। आसिम मुनीर अपने पहले के सेना प्रमुखों से काफी अलग माने जाते हैं। पहले के ज्यादातर सेना प्रमुख पश्चिमी सैन्य संस्थानों में प्रशिक्षित पेशेवर सैनिक थे, जो धर्म और राजनीति से दूरी बनाए रखते थे। इसके उलट आसिम मुनीर हाफिज-ए-कुरान हैं और मजहब उनकी पब्लिक इमेज का अहम हिस्सा है। वह पाकिस्तान के ऐसे पहले अधिकारी हैं, जिन्होंने मिलिट्री इंटेलिजेंस और ढ्वस्ढ्ढ दोनों की लीडरशिप की है। उनकी लीडरशिप में पाकिस्तानी सेना खुद को सिर्फ देश की रक्षा करने वाली ताकत नहीं, बल्कि इस्लाम की रक्षा करने वाली ताकत के रूप में भी पेश कर रही है।

नोबेल शांति पुरस्कार विवाद: ट्रंप की नाराजगी, नॉर्वे PM बोले- सरकार नहीं, स्वतंत्र समिति देती है पुरस्कार

ओस्लो, एजेंसी। नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोरे ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस संदेश पर प्रतिक्रिया दी है, जिसमें ट्रंप ने नोबेल शांति पुरस्कार न मिलने को लेकर नाराजगी जताई थी। प्रधानमंत्री स्टोरे ने साफ शब्दों में कहा कि नोबेल शांति पुरस्कार नॉर्वे सरकार नहीं, बल्कि एक स्वतंत्र नोबेल समिति द्वारा दिया जाता है। स्टोरे ने बताया कि उन्होंने यह बात स्वयं ट्रंप को भी स्पष्ट रूप से समझाई है। उन्होंने कहा मैंने राष्ट्रपति ट्रंप को स्पष्ट किया है कि यह सर्वविदित तथ्य है कि नोबेल शांति पुरस्कार का निर्णय एक स्वतंत्र समिति करती है, न कि नॉर्वे सरकार। कैसे शुरू हुई बातचीत? प्रधानमंत्री स्टोरे के अनुसार, ट्रंप का यह

संदेश उस समय आया जब उन्होंने और फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब ने मिलकर अमेरिका द्वारा प्रस्तावित टैरिफ बढ़ोतरी का विरोध करते हुए ट्रंप को एक संदेश भेजा था। यह टैरिफ नॉर्वे, फिनलैंड और कुछ अन्य देशों पर लगाए जाने की बात कही गई थी। स्टोरे ने बताया कि उन्होंने स्थिति को शांत करने और बातचीत के जरिए समाधान निकालने के लिए ट्रंप के साथ फोन कॉल का प्रस्ताव भी रखा था। हालांकि, ट्रंप ने अपने जवाबी संदेश को अन्य नाटो नेताओं के साथ साझा करने का निर्णय लिया। नोबेल पुरस्कार पर ट्रंप की नाराजगी ट्रंप के संदेश में कहा गया कि नॉर्वे द्वारा उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार न दिए जाने से उनके वैश्विक राजनीति और गठबंधन नीति के दृष्टिकोण में बदलाव आया है। ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने 8 युद्ध रुकवाए, इसके बावजूद उन्हें यह सम्मान नहीं मिला। ट्रंप के संदेश का सबसे विवादास्पद हिस्सा ग्रीनलैंड को लेकर था। उन्होंने डेनमार्क के ऐतिहासिक और कानूनी अधिकारों पर सवाल उठाते हुए कहा कि वह इस क्षेत्र की सुरक्षा नहीं कर सकता। ट्रंप ने यहां तक दावा किया कि दुनिया तब तक सुरक्षित नहीं है, जब तक अमेरिका का ग्रीनलैंड पर पूर्ण नियंत्रण न हो। प्रधानमंत्री स्टोरे ने ग्रीनलैंड के मुद्दे पर नॉर्वे की स्थिति दोहराते हुए कहा कि ग्रीनलैंड डेनमार्क के साम्राज्य का हिस्सा है और नॉर्वे इस मामले में पूरी तरह डेनमार्क के साथ खड़ा है। उन्होंने यह भी कहा कि आर्कटिक क्षेत्र की सुरक्षा के लिए नाटो जिम्मेदार और संतुलित भूमिका निभा रहा है। गौरतलब है कि ट्रंप ने यह भी धमकी दी है कि यदि ब्रिटेन और यूरोपीय संघ के देश ग्रीनलैंड को अमेरिका को बेचने पर सहमत नहीं होते हैं, तो उन पर 10 प्रतिशत टैरिफ लगाया जा सकता है।

जेल में इमरान खान पर सैकड़ों पाबंदिया?: दावा- तीन महीने से अलग जेल में रखा, वकीलों से भी मिलने की अनुमति नहीं

इस्लामाबाद, एजेंसी। अगस्त 2023 से जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) की तरफ से दावा किया जा रहा है कि इमरान खान को तीन महीने से अलग जेल (सोलिटरी कंफाइनमेंट) में रखा गया है और उन्हें अपने कानूनी वकीलों से मिलने की अनुमति नहीं दी जा रही। इमरान खान को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच सोमवार को उनकी पार्टी ने यह दावा किया।

पीटीआई ने कहा कि लंबे समय तक अलग जेल में रखने को अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत हानिकारक और अमानवीय माना जाता है। पार्टी ने कहा कि खान को जेल मैनुअल में तय बुनियादी सुविधाएं भी नहीं दी जा रही हैं।बता दें कि पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में बंद हैं। उनके खिलाफ कई मामले दर्ज हैं, जो उनके अप्रैल 2022 में सरकार गिरने के बाद शुरू हुए।

जेल में उनकी बैठकों पर लगाया प्रतिबंध : बता दें कि इससे पहले पिछले महीने, सेना समर्थित शहबाज शरीफ सरकार ने उनके सभी जेल मीटिंग्स पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया, क्योंकि खान ने चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेस (सीडीएफ) फील्ड मार्शल असिम मुनीर के खिलाफ बयान दिया था। 4 दिसंबर को अपनी बहन से मिलने के बाद खान ने सोशल मीडिया पर कहा था कि असिम मुनीर

मानसिक रूप से अस्थिर व्यक्ति हैं। खान की पार्टी ने क्या-क्या दावा किया? इमरान खान को लेकर उनकी पार्टी का कहना है कि पूर्व पीएम को पूरी तरह अलग कर रखा गया है और उन्हें वकीलों और परिवार से मिलने का अधिकार नहीं दिया गया, जो किसी भी कैदी का संवैधानिक अधिकार है। पार्टी ने सरकार से तुरंत वकीलों और परिवार को उनसे मिलने की अनुमति देने की मांग की है। पीटीआई ने यह भी कहा कि फरवरी 2024 के आम चुनाव में उनके अनुसार उनकी पार्टी का जनादेश चोरी कर पीएमएल-एन और पीपीपी को सत्ता में लाया गया और इसलिए वे आठ फरवरी को विशाल प्रदर्शन करने जा रहे हैं।

मुनीर को लेकर खान ने क्या कहा था : गौरतलब है कि पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने अपने अंतिम सोशल मीडिया पोस्ट में असिम मुनीर पर जमकर निशाना साधा था। उन्होंने लिखा था कि असिम मुनीर एक मानसिक रूप से अस्थिर व्यक्ति हैं, जिनकी नैतिक गिरावट ने पाकिस्तान के संविधान और कानून के शासन को पूरी तरह ढहा दिया है, जिससे हर पाकिस्तानी के बुनियादी अधिकार असुरक्षित हो गए हैं।

ट्रंप ने ग्रीनलैंड में भेजा 'नोराड' विमान, तनाव के बीच बड़ा फैसला

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। डेनमार्क समेत यूरोपीय देशों से जारी तनाव के बीच अमेरिका ने ग्रीनलैंड के सैन्य अड्डे पर उत्तरी अमेरिकी एयरोस्पेस डिफेंस कमांड (एनओआरएडी) का एक विमान तैनात करने का फैसला लिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का ये फैसला चौंकाने वाला है। राष्ट्रपति ट्रंप ने ग्रीनलैंड के पिटुफिक अंतरिक्ष अड्डे पर एनओआरएडी का एक विमान तैनात करने का एलान किया। नोराड की ओर से कहा गया है कि विमान अलग-अलग पूर्व नियोजित गतिविधियों में सहयोग देने के लिए बेस पर पहुंचेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह कार्रवाई डेनमार्क और ग्रीनलैंड के समन्वय से की जा रही है। नोराड ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, नोराड के विमान जल्द ही ग्रीनलैंड के पिटुफिक स्पेस बेस पर पहुंचेंगे। अमेरिका और कनाडा के मुख्य भूभाग में स्थित ठिकानों से संचालित होने वाले विमानों के साथ मिलकर, वे नोराड की गतिविधियों में सहयोग करेंगे। यह अमेरिका और कनाडा के साथ-साथ डेनमार्क साम्राज्य के बीच स्थायी रक्षा सहयोग को और मजबूत करेंगी।

क्या ट्रंप का ये कदम ग्रीनलैंड पर कब्जे की ओर इशारा : नोराड की ओर से बताया गया कि यह गतिविधि डेनमार्क साम्राज्य के साथ मिलकर की जा रही है और सभी सहायक बलों को जरूरी राजनयिक मंजूरी प्राप्त है। बताया गया है कि ग्रीनलैंड सरकार को भी गतिविधियों की जानकारी दी गई है। नोराड नियमित रूप से उत्तरी अमेरिका की रक्षा में लगातार अभियान चलाता है। ये अभियान नोराड के तीनों क्षेत्रों (अलास्का, कनाडा और महाद्वीपीय अमेरिका) में से एक या सभी के जरिए चलाए जाते हैं। अमेरिकी सेनाओं के साथ

डेनमार्क और अन्य देशों ने किया सैन्य अभ्यास अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से ग्रीनलैंड को हासिल करने की धमकियों को लेकर वॉशिंगटन के साथ तनाव के बीच डेनमार्क की सेनाओं के नेतृत्व में हुए एक बहुराष्ट्रीय सैन्य अभ्यास के बाद अमेरिका ने यह कदम उठाया है। जर्मनी, स्वीडन, फ्रांस, नॉर्वे, नीदरलैंड और फिनलैंड ने आर्कटिक की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अभ्यास में शामिल होने के लिए ग्रीनलैंड में थोड़ी संख्या में सैन्य कर्मियों को भेजा है। डेनमार्क ने अमेरिका को भी सैन्य अभ्यास में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया था। ग्रीनलैंड में बड़े पैमाने पर सैनिकों के तैनाती की संभावना डेनमार्क पहले से ग्रीनलैंड में करीब 200 सैनिक तैनात किए हुए है। इसके अलावा 14 सदस्यीय सीरियस डॉग स्लेज पेट्रोल भी वहां मौजूद है, जो आर्कटिक इलाकों में गश्त करते हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा है कि आने वाले दिनों में इन्हें जमीन, हवा और समुद्र के जरिए और मजबूत किया जाएगा। यह संख्या छोटी है, लेकिन यह राजनीतिक संदेश देने के लिए है कि नाटो एकजुट है। डेनमार्क की अगुआई में चल रहा ऑपरेशन आर्कटिक एंड्योरेंस एक सैन्य अभ्यास है। इसका मकसद यह देखना है कि अगर भविष्य में ग्रीनलैंड में बड़ी संख्या में सैनिक तैनात करने पड़े, तो उसकी तैयारी कैसी होगी। डेनमार्क के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक इस अभ्यास का फोकस आर्कटिक इलाके में सहयोगी देशों के बीच तालमेल और काम करने की क्षमता बढ़ाने पर है। आगे चलकर इससे भी बड़ा मिशन लाने की योजना है, जिसे ऑपरेशन आर्कटिक सेंट्री कहा जा रहा है। यह एक नाटो मिशन होगा। इसका उद्देश्य ग्रीनलैंड और उसके आसपास के इलाकों में निगरानी बढ़ाना और किसी भी खतरे का सैन्य जवाब देने की ताकत मजबूत करना है। हालांकि यह मिशन तुरंत शुरू नहीं होगा। जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस के मुताबिक, ऑपरेशन आर्कटिक सेंट्री को शुरू होने में अभी कई महीने लग सकते हैं। यानी फिलहाल ग्रीनलैंड में कोई बड़ा नया सैन्य मिशन शुरू नहीं हुआ है, बल्कि उसकी तैयारी और योजना पर काम चल रहा है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डिप्टी सीएम के दौरे से पहले पुलिस की गाड़ी लेकर भागा शराबी

बागपत (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बागपत में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के प्रस्तावित दौरे से ठीक एक रात पहले पुलिस प्रशासन के हाथ-पांव उस वक्त फूल गए, जब सुरक्षा में लगी एक सरकारी गाड़ी चोरी हो गई। हैरान करने वाली बात यह है कि जिस पुलिस पर जिले की सुरक्षा का जिम्मा था, एक शराबी युवक उनकी आंखों के सामने से ही सरकारी टाटा सूमो लेकर फरार हो गया। इस घटना ने पुलिस की मुस्तैदी पर गंभीर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं। जानकारी के मुताबिक, नेशनल हाईवे-709बी के वंदना चौक पर ट्रैफिक पुलिस की गाड़ी खड़ी थी। तभी एक नशे में धुत युवक वहां पहुंचा और मौका पाकर ड्राइवर की सीट पर बैठ गया। पुलिसकर्मी कुछ समझ पाते, इससे पहले ही वह गाड़ी स्टार्ट कर रफूचक्कर हो गया। अपने सामने ही सरकारी गाड़ी को चोरी होते देख पुलिसकर्मियों में हड़कंप मच गया और तुरंत हाईवे पर फिल्मी अंदाज में पीछा शुरू हुआ। शराबी युवक गाड़ी को मेरठ-बागपत हाईवे की तरफ तेज रफ्तार में दौड़ाता रहा। पुलिस की टीम लगातार उसका पीछा कर रही थी, लेकिन कुछ दूरी पर जाकर युवक ने गाड़ी पर से नियंत्रण खो दिया। अनियंत्रित टाटा सूमो सड़क किनारे एक दुकान में जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दुकान का अगला हिस्सा और सरकारी गाड़ी दोनों क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे के बाद युवक घायल होकर बेहोश हो गया, जिसके बाद पुलिस ने उसे हिरासत में लिया और राहत की सांस ली। डिप्टी सीएम के संवेदनशील दौरे से पहले हुई इस चूक ने विभाग के भीतर खलबली मचा दी है।

पान मसाला विज्ञापन को लेकर सलमान कोर्ट में नहीं हुए पेश, अगली सुनवाई 5 को

मुंबई (एजेंसी)। बालीवुड के भाईजान और सुपरस्टार सलमान खान के खिलाफ पान मसाला का विज्ञापन को लेकर शिकायत दर्ज हुई थी, जिसमें आरोप लगाए थे और कहा था सलमान खान और पान मसाला कंपनी जनता को

गुमराह कर रही है, क्योंकि 5 रुपए के पाउच में असली केसर का इस्तेमाल मुमकिन नहीं है। वहीं, इस मामले में मंगलवार को कोटा कंज्यूमर कोर्ट में सुनवाई हुई, लेकिन सलमान खान अदालत में पेश नहीं हुए। अब अगली सुनवाई 5 फरवरी को तय की है और शिकायतकर्ता ने एक्टर के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किए जाने की गुहार लगाई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ये मामला बीजेपी नेता इंद्र मोहन सिंह हनी द्वारा दायर किया गया है। वकिल रिपु दमन सिंह ने बताया कि कोर्ट ने 26 दिसंबर को आदेश दिया था कि सलमान खान 20 जनवरी को व्यक्तिगत रूप से पेश हों, लेकिन वे नहीं आए। परिवादी पक्ष ने कोर्ट को बताया कि इसी तरह के एक मामले में 15 जनवरी को जयपुर उपभोक्ता आयोग ने भी सलमान खान के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया है। बता दें अब न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई 5 फरवरी तय की है। साथ ही पहले फोरेंसिक जांच के लिए भेजे गए हस्ताक्षरों की रसीद भी अगली तारीख पर पेश करने के निर्देश दिए हैं।

सोशल मीडिया पर वजन घटाने का उपाय... 24 घंटे में चली गई 19 साल की लड़की की जान

मदुरै (एजेंसी)। सोशल मीडिया पर वजन घटाने के उपाय लोगों को आकर्षित करते हैं, लेकिन हाल ही में ऐसा ही एक उपाय एक छात्रा की जान का कारण बन गया। 19 वर्षीय कलैयारसी, जो सेलूर के मीनाम्बलपुरम की रहने वाली थी और नरिमेडु स्थित एक निजी महिला कॉलेज में स्नातक की प्रथम वर्ष की छात्रा थी, ने वजन कम करने के लिए इंटरनेट पर एक यूट्यूब वीडियो में बताए गए तरीके का सहारा लिया। वीडियो में 'वेंकारम' (बोरेक्स) के सेवन से वजन घटाने की सलाह दी गई थी। पुलिस के अनुसार, कलैयारसी ने 16 जनवरी को लोकल दवा की दुकान से यह पदार्थ खरीदा और अगले दिन वीडियो के अनुसार इसका सेवन किया। इसके तुरंत बाद युवती को उल्टी और दस्त शुरू हो गए। उसकी मां ने निजी अस्पताल ले जाया, जहां उपचार के बाद लड़की को घर भेज दिया गया। शाम को लक्षण फिर उभरे और पास के एक अन्य अस्पताल में इलाज के बाद घर लौटने पर तेज पेट दर्द और मल में खून आने की शिकायत हुई। इसके बाद रात करीब 11 बजे उसकी हालत गंभीर हो गई। पड़ोसियों की मदद से सरकारी राजाजी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां पहुंचने पर डॉक्टरों ने युवती को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया और मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने चेताया है कि सोशल मीडिया और इंटरनेट पर वजन घटाने के लिए साझा किए जाने वाले उपाय अक्सर खतरनाक हो सकते हैं और किसी भी दवा या पदार्थ का सेवन डॉक्टर की सलाह के बिना नहीं करना चाहिए। इस दुखद घटना ने लोगों के लिए एक गंभीर संदेश छोड़ा है कि स्वास्थ्य संबंधी सलाह केवल प्रमाणित स्रोतों से ही ली जानी चाहिए।

जगन्नाथ मंदिर को बम हमले की धमकी, सुरक्षा को बढ़ाया गया

पुरी(एजेंसी)। ओडिशा के पुरी स्थित जगन्नाथ मंदिर को बम हमले की धमकी मिलने के बाद मंदिर परिसर और उसके आसपास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि इस ऑनलाइन पोस्ट के संबंध में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है। पुलिस ने बताया कि फेसबुक संदेश में बीजू जनता दल (बीजद) के राज्यसभा सदस्य सुभाषीश खुंटिया और तीर्थ नगरी पुरी के एक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स पर हमले की धमकी भी दी गई थी। अधिकारी के अनुसार, जिस महिला के अकाउंट से पोस्ट की गई थी, उस महिला ने इसमें किसी भी तरह की संलिप्तता से इंकार कर दावा किया है कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसके नाम से फर्जी यूजर आईडी बनाकर दहशत फैलाने की कोशिश की होगी। महिला के बयान के आधार पर पुलिस ने एक व्यक्ति को पूछताछ के लिए पकड़ा है।

होली के त्यौहार के मौके पर महिलाओं को मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर देगी रेखा सरकार

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली सरकार मार्च में होली के त्यौहार के मौके पर आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस) की महिलाओं को मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर देगी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई बैठक में दिल्ली मंत्रिमंडल ने इस संबंध में एक प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। होली और दीपावली के मौके पर ईडब्ल्यूएस परिवारों की महिलाओं को मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर उपलब्ध कराना, साथ ही आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को 500 रुपये प्रति सिलेंडर की रियायती दर पर सिलेंडर उपलब्ध कराना, दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा के घोषणापत्र का हिस्सा था।

अंतरिक्ष यात्री विलियम्स ने की कल्पना चावला की मां से मुलाकात तो भर आईं आंखें

-दोनों ने एक-दूसरे के गले लगकर स्वागत किया और पुरानी यादें की ताजा

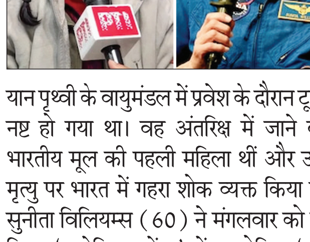

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ने दिवंगत अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला के परिवार से मुलाकात की। यह मुलाकात दो परिवारों का मिलन नहीं, बल्कि यादों और साझा विरासतों का एक भावुक संगम था। सुनीता दिल्ली में कल्पना चावला की 90 साल की मां, संजोगता खरबंदा और उनकी बहन दीपा से मिलीं। जैसे ही सुनीता ने कल्पना की मां को गले लगाया, कमरे में सन्नाटा छा गया और आंखें नम हो गईं। दोनों ने एक-दूसरे का गले लगकर स्वागत किया जिसने पुरानी यादें ताजा कर दीं। भारत में जन्मीं अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला चालक दल के उन सात सदस्यों में से एक थीं, जिनकी फरवरी 2003 में अंतरिक्ष शटल कोलंबिया के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने के कारण मृत्यु हो गई थी।

बता दें दुर्घटना उस वक्त हुई थी जब अंतरिक्ष यान पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश के दौरान टूटकर नष्ट हो गया था। वह अंतरिक्ष में जाने वाली भारतीय मूल की पहली महिला थीं और उनकी मृत्यु पर भारत में गहरा शोक व्यक्त किया गया। सुनीता विलियम्स (60) ने मंगलवार को दिल्ली स्थित 'अमेरिकन सेंटर' में आयोजित 'आंखें सितारों पर, पैर जमीं पर' नामक एक संवाद सत्र में भाग लिया था। करीब एक घंटे के इस कार्यक्रम के खत्म होते ही विलियम्स मंच से नीचे उतरीं और सभागार में पहली पंक्ति में बैठी कल्पना चावला की मां संयोगिता चावला की ओर बढ़ीं तथा उन्हें गर्मजोशी से गले लगाया। विलियम्स इस दौरान अपने चिरपरिचित अंतरिक्ष यात्री के लिबास में थीं।

उन्होंने कल्पना चावला की बहन दीपा से भी मुलाकात की, जो इस कार्यक्रम में अपनी मां के साथ आई थीं। विलियम्स वर्तमान में भारत यात्रा पर हैं। वह 22 जनवरी से शुरू होने वाले केरल साहित्य महोत्सव के नौवें संस्करण में भाग लेने वाली हैं। आयोजकों ने दिसंबर के अंत में इसकी घोषणा की थी।

अमेरिकी नौसेना की पूर्व कप्तान सुनीता विलियम्स का जन्म 19 सितंबर, 1965 को अमेरिका के ओहायो के यूक्लिड में हुआ था। उनके पिता दीपक पंड्या गुजराती थे और मेहसाणा जिले के झुलासन के रहने वाले थे जबकि उनकी मां उर्सुलिन बोनी पंड्या स्लोवेनियाई थीं। अपने संबोधन में सुनीता ने यह भी कहा कि भारत आने पर घर वापसी जैसा महसूस हो रहा है, क्योंकि यह वह देश है जहां उनके पिता का जन्म हुआ था। बाद में चावला की मां ने कार्यक्रम के दौरान कहा कि वह (विलियम्स) परिवार के सदस्य की तरह हैं। कल्पना चावला की मां ने कहा कि कोलंबिया हादसे के बाद ''वह तीन महीने तक हमारे घर आती रहीं। नियमित रूप से सुबह से रात तक रुकती थीं और ''शोक में डूबे हमारे परिवार'' को सांत्वना देती थीं। उन्होंने कहा कि मुझे याद है कि विलियम्स और चावला अंतरिक्ष यात्री के तौर पर एक-दूसरे को अपने साझा पेशे में और आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया करती थीं।

अपनी बेटी के जीवन को याद करते हुए कल्पना की मां ने कहा कि वह अपने साथ अनमोल खजाना लेकर आई थी। उसने हमें बहुत कुछ सिखाया। हम क्या कह सकते हैं? संयोगिता चावला ने कहा कि उन्होंने अपनी बेटी को उसके सपनों को पूरा करने में पूरा समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि कल्पना अक्सर कहा करती थी कि मानवता ही एकमात्र धर्म है और उसने कभी कोई दूसरा नाम नहीं लिया। जब हम उससे पूछते थे, तुम्हारा धर्म क्या है? तो वह कहती थी, 'मेरा धर्म कर्म है'।

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में फिर दिखा पाकिस्तानी ड्रोन, 10 दिन में पांचवीं घटना

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में भारत-पाकिस्तान सीमा के पास मंगलवार देर रात एक पाकिस्तानी ड्रोन देखे जाने से सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गईं। ड्रोन दिखते ही भारतीय सेना ने तुरंत अपना एंटी-ड्रोन सिस्टम सक्रिय कर दिया। सेना के सूत्रों के मुताबिक, यह ड्रोन नियमित निगरानी के दौरान पकड़ा गया। जवाबी कार्रवाई के बाद ड्रोन पाकिस्तान की ओर लौट गया। बीते 10 दिनों में सीमा और लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) के पास ड्रोन देखे जाने की यह पांचवीं घटना है। इससे पहले 17 जनवरी को रामगढ़ सेक्टर में, 15 जनवरी को एक बार फिर रामगढ़ में, 13 जनवरी को राजौरी जिले में दो बार और 11 जनवरी को नौशेरा, धरमसाल, रियासी, सांबा और पुंछ के मंकोट सेक्टर में एक साथ पांच ड्रोन देखे गए थे। लगातार सामने आ रही इन घटनाओं को देखते हुए एलओसी और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर निगरानी और चौकसी बढ़ा दी गई है। सेना और खुफिया एजेंसियां ड्रोन गतिविधियों के उद्देश्य का पता लगाने में जुटी हैं। फिलहाल सुरक्षा एजेंसियां हालात पर कड़ी नजर बनाए हुए हैं।

लिव-इन पर कोर्ट ने की अहम टिप्पणी: महिला तभी सुरक्षित, जब पत्नी का दर्जा मिले

चेन्नई (एजेंसी)। मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच ने लिव-इन रिलेशनशिप को लेकर एक महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा, कि ऐसे रिश्तों में रहने वाली महिलाओं को वास्तविक सुरक्षा तभी मिल सकती है, जब उन्हें पत्नी के समान दर्जा दिया जाए। कोर्ट ने माना कि मौजूदा कानूनी ढांचे में लिव-इन रिलेशनशिप में महिलाओं को वैवाहिक सुरक्षा प्राप्त नहीं है, ऐसे में अदालत की जिम्मेदारी बनती है कि वह महिलाओं को संरक्षण प्रदान करे।

यह टिप्पणी जस्टिस एस. श्रीमथी ने एक आरोपी की अग्रिम जमानत याचिका खारिज करते हुए की। आरोपी पर आरोप था कि वह एक महिला के साथ पहले लिव-इन रिलेशनशिप में रहा और बाद में शादी का झूठा वादा कर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। जब रिश्ते में तनाव बढ़ा तो आरोपी ने शादी से इनकार कर दिया।

कोर्ट ने अपने आदेश में पुरुषों की मानसिकता पर भी सख्त टिप्पणी की। जस्टिस श्रीमथी ने कहा कि कई पुरुष खुद को ÷मॉडर्न÷ दिखाने के लिए लिव-इन रिलेशनशिप में रहते हैं, लेकिन जब रिश्ता टूटता है तो वही पुरुष महिला के चरित्र पर सवाल उठाने लगते हैं। उन्होंने कहा कि पुरुष ऐसा इसलिए कर पाते हैं क्योंकि कानून में लिव-इन रिलेशनशिप को लेकर स्पष्ट नियमों और सुरक्षा प्रावधानों का अभाव है।

अदालत ने यह भी कहा कि भारत में भले ही लिव-इन रिलेशनशिप को सामाजिक तौर पर पूरी तरह स्वीकार नहीं किया गया हो, लेकिन यह अब एक आम वास्तविकता बन चुकी है। रिश्ते के दौरान पुरुष आधुनिक सोच का दावा करते हैं, लेकिन जब हालात बिगड़ते हैं तो महिलाओं को दोषी ठहराने और सार्वजनिक रूप से शर्मिंदा करने से पीछे नहीं हटते।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि इस मामले में आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 69 के तहत मुकदमा चलाया जा सकता है, जो धोखे से शारीरिक संबंध बनाने से जुड़ी है। अग्रिम जमानत याचिका खारिज करते हुए कोर्ट ने संकेत दिया कि ऐसे मामलों में महिलाओं के अधिकारों और सम्मान की रक्षा सर्वोपरि है।

पीठासीन अधिकारी का व्यवहार निष्पक्ष और न्यायसंगत होना चाहिए-लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला

लखनऊ (एजेंसी)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि सदन का समय बहुत कीमती होता है। ऐसे में जरूरी है कि सदन में संवाद हो। सहमति-असहमति हो पर गतिरोध नहीं होना चाहिए। सदन के अंदर सभी राजनीतिक दलों से इस बात की चर्चा होनी चाहिए कि कभी गतिरोध ना आए। उन्होंने कहा कि पीठासीन अधिकारी के रूप में हमें निष्पक्ष और न्यायसंगत होना चाहिए।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला बुधवार को उप्र की राजधानी लखनऊ के विधान भवन में 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। अपने सम्बोधन में उन्होंने कहा कि राज्य की विधानसभा ही है जिसके द्वारा अंतिम व्यक्ति की आवाज सदन में और सरकार तक पहुंचती है। जैसे न्यायालय के अंदर लोगों का विश्वास रहता है उसी तरह राज्य विधानमंडल में भी अगर सकारात्मक दृष्टिकोण से जनप्रतिनिधि अपनी बात रखेंगे तो इन विधानसभाओं के माध्यम से परिणाम भी आएंगे। यह लोकतंत्र वही व्यवस्था है जिसमें सभा में होने वाली चर्चाओं से ठोस परिणाम निकलते हैं। इन्हीं संवादों और विमर्शों के माध्यम से लोकतांत्रिक संस्थाएं निरंतर सुदृढ़ होती हैं और समाज को आगे बढ़ाने का कार्य करती हैं। आज जब हम यह संकल्प लेते हैं तो यह केवल एक विधायी संस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि आने वाले समय में हम अपने-अपने लोकतांत्रिक संस्थानों के माध्यम से ÷विकसित भारत÷ के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए अपने राज्य को विकसित राज्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसके लिए आवश्यक है कि सभी माननीय सदस्य चर्चा, संवाद और विचार-विमर्श में सक्रिय भागीदारी करें।

उन्होंने कहा कि विकास के लिए हमें यह विचार करना होगा कि संवाद और विमर्श के माध्यम से राज्य को किस प्रकार दिशा और आधार दिया जा सकता है, ताकि भारत वैश्विक स्तर पर और अधिक सशक्त बन सके। समाज की भूमिका इसमें मार्गदर्शक की होनी चाहिए और समाज के विभिन्न वर्गों से प्राप्त सुझावों को गंभीरता से सुना और अपनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमने लगातार यह प्रयास किया है कि लोकतांत्रिक सरकारें अधिक जवाबदेह बनें और शासन-प्रशासन से जुड़ी चुनौतियों को विधायी स्तर पर उठाया जाए। कई बार विधायी प्रक्रियाओं और विपक्ष की भूमिका को सशक्त करने के प्रयास किए गए हैं जिनके सकारात्मक परिणाम भी सामने आए हैं। आने वाले समय में हम यह भी सुनिश्चित करने का प्रयास करेंगे कि राज्य की विधानसभा की न्यूनतम 30 दिन बैठकें हों, जिनमें सहमति और असहमति दोनों के माध्यम से जनहित से जुड़े विषयों पर सार्थक चर्चा हो।

उन्होंने कहा कि विधानसभा वह मंच है जहां आम नागरिक की आवाज लोकतांत्रिक व्यवस्था के माध्यम से स्थापित होती है। मतदाता मतदान करने के बाद यह अपेक्षा करता है कि अगले पांच वर्षों तक उसका चुना हुआ प्रतिनिधि उसकी समस्याओं और चुनौतियों को उठाएगा तथा उनके समाधान के लिए प्रयास करेगा। जिस प्रकार जनता का विश्वास न्यायालयों में है उसी प्रकार राज्य विधानमंडल पर भी जनता का अटूट विश्वास होना चाहिए कि उसकी बात यहां अवश्य सुनी जाएगी। हमने विधानसभा को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए आधुनिक तकनीक और डिजिटल माध्यमों का उपयोग बढ़ाया है। एआई और नवीन तकनीकों के माध्यम से पुरानी बहसों, चर्चाओं और निर्णयों को अधिक सुलभ, पारदर्शी और प्रभावी बनाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि राज्य विधानसभाओं के बीच आपसी संवाद, विधायी सूचकांक, भागीदारी, जवाबदेही और कार्यकुशलता को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है। नए नियम, नई प्रक्रियाएं और प्रभावी संसदीय समितियां लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत बनाती हैं। संविधान के अधीन कार्य करते हुए यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम निष्पक्षता, पारदर्शिता और जनउत्तरदायित्व को सर्वोच्च स्थान दें।

एकनाथ शिंदे को एमएनएस के समर्थन पर बोले संजय राउत- यह राज ठाकरे का फैसला नहीं

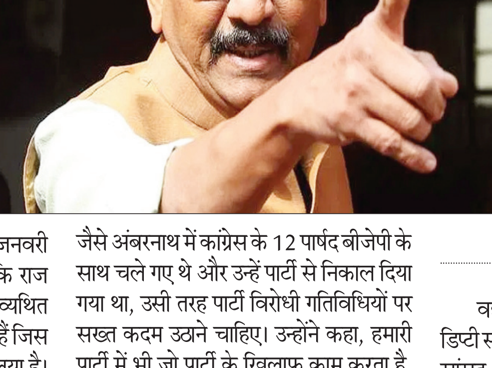

मुंबई (एजेंसी)। कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) द्वारा मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना को समर्थन दिए जाने के बाद सियासी घमासान तेज हो गया है। इस मुद्दे पर शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने बड़ा खुलासा करते हुए कहा है कि यह फैसला एमएनएस प्रमुख राज ठाकरे का नहीं, बल्कि पार्टी के स्थानीय नेताओं का है।

सांसद संजय राउत ने बुधवार 21 जनवरी को मीडिया से बातचीत में दावा किया कि राज ठाकरे इस घटनाक्रम से बेहद नाराज और व्यथित हैं। उन्होंने कहा, राज ठाकरे बहुत व्यथित हैं जिस तरह से स्थानीय नेताओं ने यह फैसला लिया है। उनका साफ कहना है कि इस फैसले में उनकी भूमिका नहीं है और न ही पार्टी की आधिकारिक भूमिका है। संजय राउत के मुताबिक, राज ठाकरे का मानना है कि यदि स्थानीय नेताओं ने पार्टी लाइन के खिलाफ जाकर निर्णय लिया है, तो उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई होनी चाहिए।

संजय राउत ने उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे अंबरनाथ में कांग्रेस के 12 पार्षद बीजेपी के साथ चले गए थे और उन्हें पार्टी से निकाल दिया गया था, उसी तरह पार्टी विरोधी गतिविधियों पर सख्त कदम उठाने चाहिए। उन्होंने कहा, हमारी पार्टी में भी जो पार्टी के खिलाफ काम करता है, उसे बाहर का रास्ता दिखाया जाता है।

शिवसेना (यूबीटी) सांसद ने कल्याण-डोंबिवली के घटनाक्रम को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सत्ता के लिए महाराष्ट्र के साथ बेईमानी करने वालों के साथ जो भी खड़ा होता है, जनता उसे भी बेईमान मानती है। उन्होंने आरोप लगाया कि वहां के लोगों ने बहुत बड़ी गलती की है और इसका राजनीतिक खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ सकता है।

गौरतलब है कि कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका में बहुमत के लिए 62 पार्षदों की जरूरत है। यहां शिवसेना के पास 52 और बीजेपी के पास 51 पार्षद हैं, जबकि एमएनएस के 5 पार्षद निर्णायक स्थिति में हैं। इसी कारण एमएनएस के समर्थन को सत्ता गठन के लिए अहम माना जा रहा है।

श्रीकांत बोले- महायुति की सत्ता बनेगी

वहीं, शिंदे गुट की ओर से प्रतिक्रिया देते हुए डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे के बेटे और लोकसभा सांसद श्रीकांत शिंदे ने कहा कि एमएनएस ने महायुति को समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि बीजेपी, शिवसेना, एमएनएस और अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर यहां महायुति की सत्ता बनेगी और विकास के लिए जो भी साथ आना चाहता है, उसका स्वागत है। इस पूरे घटनाक्रम ने महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर नई बहस और हलचल पैदा कर दी है।

स्टालिन का बयान हेट स्पीच की श्रेणी वाला, मद्रास हाईकोर्ट ने की सख्त टिप्पणी

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के युवा कल्याण और खेल मंत्री उदयनिधि स्टालिन के सनातन धर्म को लेकर दिए गए बयान पर चल रही राजनीतिक और कानूनी बहस के बीच मद्रास हाईकोर्ट ने कड़ी टिप्पणी की है। अदालत ने बुधवार को कहा कि मंत्री द्वारा इस्तेमाल की गई भाषा हिंदू धर्म पर स्पष्ट हमला है और यह हेट स्पीच की श्रेणी में आती है। कोर्ट ने यह भी कहा कि इस तरह के शब्दों का अर्थ जनसंहार की ओर इशारा करता है, जिसे किसी भी रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता।

यह टिप्पणी उस याचिका की सुनवाई के दौरान आई, जिसमें एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए उदयनिधि स्टालिन के सनातन धर्म संबंधी बयान पर सवाल उठाए गए थे। याचिका में कहा गया था कि मंत्री की टिप्पणी सनातन धर्म को मानने वालों के खिलाफ 'जनसंहार' का आह्वान करती है। हालांकि, उदयनिधि स्टालिन ने अपने बचाव में कहा था कि उनके बयान को गलत तरीके से तोड़-मरोड़कर पेश किया गया और उनका आशय किसी समुदाय या धर्म के अनुयायियों को आहत या नुकसान पहुंचाने का नहीं था।

मद्रास हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान स्पष्ट शब्दों में कहा, यदि यह कहा जाए कि सनातन धर्म का पालन करने वाले लोगों का अस्तित्व नहीं होना चाहिए, तो इसके लिए सही शब्द 'जनसंहार' है। अगर सनातन धर्म को एक धर्म माना जाए, तो यह 'रिलिजिसाइड' यानी धर्म के विनाश की श्रेणी में आएगा। कोर्ट ने आगे कहा कि ऐसी भाषा लोगों के उन्मूलन की ओर संकेत करती है, चाहे वह किसी भी तरीके से हो, जिसमें इकोसाइड, फैक्टोसाइड और कल्चरसाइड जैसे रूप शामिल हो सकते हैं।

कोर्ट ने तमिल भाषा में प्रयुक्त शब्द 'सनातन ओझिप्पु' की व्याख्या करते हुए कहा कि इसका सीधा अर्थ सांस्कृतिक उन्मूलन या संस्कृति के नाश से जुड़ा है। इसी आधार पर अदालत ने माना कि मंत्री के बयान पर सवाल उठाने वाली सोशल मीडिया पोस्ट को हेट स्पीच नहीं कहा जा सकता। कोर्ट की इस टिप्पणी के बाद राजनीतिक गलियारों में बयानबाजी तेज हो गई है।

बीजेपी के नए अध्यक्ष नितिन नबीन को अब राज्यसभा लाने पर विचार कर रही पार्टी

-झारखंड से जून 2026 में खाली हो रही सीट वहां से किया जा सकता है नामांकित

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन को जल्द ही राज्यसभा में प्रवेश मिलेगा। पार्टी सूत्रों के मुताबिक इस साल कई राज्यसभा सीटें खाली होने वाली हैं और पार्टी उन्हें राज्यसभा में लाने पर विचार कर रही है। हालांकि, फिलहाल उन्हें केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किया जाएगा, क्योंकि पार्टी एक व्यक्ति, एक पद के सिद्धांत का पालन कर रही है। 45 साल के नितिन नबीन बिहार के पांच बार के विधायक हैं। वह बीजेपी के सबसे युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष बने गए हैं। उनका जन्म रांची (झारखंड) में हुआ था। उनके पिता नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा भी वरिष्ठ बीजेपी नेता थे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मंगलवार को उन्होंने पार्टी मुख्यालय में औपचारिक रूप से अध्यक्ष पद की कमान संभाली, जहां पीएम मोदी समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें बधाई दी। मोदी ने उन्हें मिलेनियल बॉस कहकर संबोधित किया और पार्टी में नई ऊर्जा का संकेत दिया। पार्टी सूत्रों का कहना है कि नितिन नबीन को उनकी नई जिम्मेदारी के अनुरूप संसद में लाया जाएगा। बिहार से राज्यसभा की कोई सीट अभी खाली नहीं है, लेकिन पड़ोसी राज्य झारखंड से एक विकल्प उपलब्ध है। झारखंड से बीजेपी सांसद दीपक प्रकाश का कार्यकाल जून 2026 में खत्म हो रहा है। सूत्रों ने बताया कि नितिन नबीन का जन्म रांची में होने के कारण उन्हें वहां से नामांकित किया जा सकता है। हालांकि पार्टी की केंद्रीय नेतृत्व किसी भी राज्य से उन्हें भेज सकती है, जहां उपयुक्त सीट उपलब्ध हो। इस साल कुल 71 राज्यसभा सदस्य रिटायर हो रहे हैं, जिनमें से 30 बीजेपी के हैं। इनमें यूपी से 8, गुजरात से 3, महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्य प्रदेश, असम, कर्नाटक, ओडिशा और हरियाणा से दो-दो सीटें शामिल हैं। झारखंड, अरुणाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और मणिपुर से एक-एक सीट खाली हो रही है। बीजेपी के दो प्रमुख सदस्यों- केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी और राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह की यूपी से सीटें भी खाली होंगी।

नितिन नबीन के राज्यसभा में आने से पार्टी को युवा और संगठनात्मक रूप से मजबूत चेहरा मिलेगा, जो संसद में सक्रिय भूमिका निभाएगा। उन्हें हाल ही में लुटियंस दिल्ली में आधिकारिक आवास भी आवंटित किया गया है। अध्यक्ष पद संभालने के बाद नबीन का पहला बड़ा कार्यक्रम 21 जनवरी को राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक है, जिसमें पीएम मोदी और संसदीय बोर्ड के सदस्य शामिल होंगे। इसके बाद 27 जनवरी को बजट सत्र से पहले संसदीय दल की बैठक की अध्यक्षता भी वे करेंगे।